RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 'जटाधरा' का हिस्सा बनी दिव्या...

वर्ष : 27 | अंक : 246 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 25 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

निक्की भाटी हत्याकाण्ड

पुलिस ने ससुर व जेठ को किया गिरफ्तार

बेटियों के पॉर्लर से दामाद चुराता था पैसे, दामाद का किसी महिला से था संबंध : पिता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के थाना कासना इलाके में हुए निक्की मौत मामले में पुलिस ने फरार जेठ और ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार को पुलिस ने पहले जेठ को पकड़ा, इसके कुछ समय बाद ही ससुर को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने विवाहिता की जलाकर हत्या के मामले में वांछित चल रहे जेठ रोहित भाटी को सिरसा टोल चौराहा के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस इस मामले में पहले आरोपी पति विपिन भाटी को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सास दया को भी गिरफ्तार कर लिया गया था। सास को आज न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

वहीं, गोपनीय सूचना की मदद से फरार ससुर सत्यवीर भाटी (55) को सिरसा चौराहा के पास से सोमवार सुबह गिरफ्तार किया है। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने स्वत: संज्ञान लेते हुए उत्तर प्रदेश के डीजीपी को पत्र भेजा है। आयोग ने सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और तीन दिनों के भीतर **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

ससुरालियों ने मांगे थे 36 लाख रुपये

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। निक्की के पिता भिखारी सिंह ने कहा कि उन्होंने बेटियों की शादी में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। लेकिन इसके बावजूद उनकी खुशियों को लूट लिया गया. पिता की आंखों से बहते आंसू और भरे गले से निकले शब्द उनके दर्द की गवाही दे रहे थे।

भिखारी सिंह ने बताया कि उन्होंने बेटी निक्की की शादी में स्कॉर्पियो , बुलेट मोटरसाइकिल और सोने-चांदी के गहने दिए। परिवार की हैसियत से कहीं अधिक खर्च कर उन्होंने रिश्ता निभाया. लेकिन दामादों की लालच की कोई सीमा नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कभी मर्सिडीज की डिमांड करते, कभी लाखों रुपये नकद देने का दबाव डालते। 36 लाख रुपये तक मांग की गई। कई बार पंचायत बुलाई गई, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला।

पिता ने आगे बताया कि उन्होंने अपनी बेटी निक्की को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए मदद की और उसके लिए ब्यूटी पार्लर शुरू कराया. उम्मीद थी कि इससे बेटी का जीवन बेहतर होगा। लेकिन उनका दामाद विपिन वहीं से पैसे चुराने लगा। उन्होंने कहा दोनों दामाद कोई काम-धंधा नहीं करते थे. बस पैसों की डिमांड करना और बेटियों पर दबाव डालना ही उनकी आदत थी। वे बेटियों के पार्लर से भी चोरी करने लगे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि दामाद के किसी महिला से संबंध थे।

बुलंदशहर में बड़ा हादसा

गोगामेडी मंदिर दर्शन को निकले 9 श्रद्धालुओं की मौत

बुलंदशहर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के खुर्जा में बीती रात बड़ा सड़क हादसा हुआ है। नेशनल हाईवे 34 पर अरनिया इलाके के घटाल गांव के पास श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली को कंटेनर ने पीछे से टक्कर मार दी। ट्रॉली सवार श्रद्धालुओं में से 9 की मौत हो गई और 45 लोग घायल हैं। मौके पर डीएम श्रुति और एसएसपी दिनेश कुमार सिंह पहुंचे। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना।

जानकारी के अनुसार, बुलंदशहर के अरनिया थाना इलाके स्थित घटाल गांव के पास तेज रफ्तार कंटेनर ने ट्रैक्टर ट्रॉली में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में ट्रॉली सवार सभी श्रद्धालु इधर-उधर जा गिरे। हादसे की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस वाहन, एंबुलेंस और राहगीरों की मदद से घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। खुर्जा के कैलाश अस्पताल में 29 लोग, **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

मृतकों के नाम

1-ईयू बाबू (उम्र-40 वर्ष) निवासी मिलकिनिया थाना सोरों जनपद कासगंज (ट्रेक्टर चालक)
02-रामबेटी पत्नी सोरन सिंह(उम्र-65 वर्ष,महिला) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
03- चांदनी पुत्री कालीचरण(उम्र-12 वर्ष,महिला) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
04.घनीराम (उम्र-40 वर्ष) निवासी मिलकिनिया थाना सोरों जनपद कासगंज
05- मोक्षी(उम्र-40 वर्ष) निवासी मिलकिनिया थाना सोरों जनपद कासगंज
06- शिवांश पुत्र अजय (उम्र-06 वर्ष) निवासी मिलकिनिया थाना सोरों जनपद कासगंज
07- योगेश पुत्र रामप्रकाश (उम्र-50 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
08- विनोद पुत्र स सोरन सिंह(उम्र-45 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज

दिल्ली में मेट्रो यात्रियों को झटका, बढ़ाया गया किराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की लाइफलाइन कही जाने वाली मेट्रो में यात्रा करने वाले यात्रियों को 8 साल बाद किराया बढ़ोत्तरी का झटका लगा है। मेट्रो की सभी लाइनों पर किराये में 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। छोटी दूरी वालों को जहां एक रुपये अतिरिक्त देने होंगे।

वहीं लंबी दूरी की यात्रा करने वालों को चार रुपये अधिक खर्च करने होंगे। एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर अधिकतम पांच रुपये की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने मेट्रो के किराए में बढ़ोतरी को लेकर सोमवार को एलान किया है।

इसका असर दिल्ली मेट्रो में सफर करने वाले सभी यात्रियों पर पड़ेगा।

दिल्ली मेट्रो में यात्रा करने वालों को आज 25 अगस्त 2025 (सोमवार) से बढ़ा हुआ किराया देना होगा। डीएमआरसी ने बताया कि यह बढ़ोतरी न्यूनतम है, जो यात्रा की दूरी के आधार पर सभी लाइनों पर 1 से 4 रुपये तक है। वहीं, एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के लिए किराया बढ़ोतरी 5 रुपये तक है।

नए किराया स्लैब के अनुसार, दिल्ली मेट्रो में सबसे लंबी दूरी की यात्रा करने पर अब 64 रुपये देने होंगे, आज से पहले तक इसके लिए 60 रुपये लगते थे। बता दें कि दिल्ली मेट्रो ने 8 साल बाद टिकट के दाम बढ़ाए हैं, इससे पहले 2017 में भी टिकट के दाम बढ़ाए गए थे।

'भवनों व फ्लैटों के अनाधिकृत निर्माण पैनल्टी लगाकर नियमित किये जाएं'

नोएडा। विभिन्न सेक्टरों में फ्लैटों व भवनों के अनाधिकृत विस्तार को प्राधिकरण समुचित पैनल्टी लगाकर उनको नियमित करे। इस आशय की मांग फोनरवा ने नोएडा प्राधिकरण से की है।

प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम को लिखे पत्र में आवास की लगातार बढ़ती लागत के कारण मध्यम एवं निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए बड़े फ्लैट या स्वतंत्र मकान खरीदना अत्यंत कठिन हो गया है। साथ ही, नोएडा प्राधिकरण द्वारा पिछले कई वर्षों से इस वर्ग के लिए नई किफायती आवासीय परियोजनाओं का अभाव

फोनरवा ने नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को पत्र लिखकर की मांग

फोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा व महासचिव के.के. जैने ने मांग की है।

फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने बताया कि आवासीय फ्लैटों में रहने वाले अनेक निवासियों ने अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप कुछ सीमित निर्माण कार्य किए हैं, जैसे कि बालकनियों को ढककर अतिरिक्त उपयोगी स्थान बनाना या सुरक्षा हेतु दीवारें बनाई है। ऐसे फ्लैटों में अनधिकृत विस्तार को पेनल्टी लगाकर नियमित किया जाए। उन्होंने कहा कि शहर में होने से निवासियों के पास सीमित स्थान में मामूली विस्तार करने के अलावा कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं बचता।

महासचिव के के जैन ने बताया कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) एवं अन्य राज्य आवास बोर्डों द्वारा पूर्व में इस प्रकार की अनधिकृत निर्माण गतिविधियों को निर्धारित दंड एवं शुल्क के भुगतान पर नियमित करने की सफल पहल की गई है। इससे न केवल भवन निर्माण मानकों का अनुपालन सुनिश्चित हुआ, **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-2 क्षेत्र के गेझा गांव में एक युवक ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी ।पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

मूल रूप से जनपद संभल निवासी 20 वर्षीय लव कुमार पुत्र जितेंद्र शर्मा गेझा गांव में किराए पर रह रहा था। वह एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करता था। रविवार को पड़ोस में रहने वाले लोगों ने उसे कमरे में फंदे पर लटका देखकर मकान मालिक को सूचना दी। मकान मालिक ने इसकी सूचना थाना फेस दो पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस का कहना है कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इस कारण आत्महत्या की वजह का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

श्रम मंत्रालय के कर्मी के मकान में चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। भारत सरकार के श्रम मंत्रालय के अधीन मुंबई क्षेत्र में कार्यरत एक व्यक्ति के ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित मकान में चोरों ने सेंधमारी कर दी। कर उनके निर्माण अधीन मकान से ब्रास के नल, पाइप, इलेक्ट्रिक वायर आदि चोरी कर ले गए। पीड़ित ने थाना नॉलेज पार्क में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

रजत विहार सेक्टर 62 नोएडा के रहने वाले नरेंद्र कुमार मिश्रा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह श्रम मंत्रालय भारत सरकार के अधीन मुंबई क्षेत्र में कार्यरत हैं। उनका ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर 12 ए ब्लॉक में 6 प्रतिशत किसान कोटा का प्लॉट है। इस प्लॉट पर वह निर्माण कार्य कर रहे हैं। 19 अगस्त को टाइल पत्थर लगाने वाले मिस्त्री ने फोन कर बताया कि उनके निर्माण अधीन मकान में चोरी हो गई है। चोर मकान में लगे ब्रास के नल पाइप इलेक्ट्रिक वायर के बंडल को चोरी कर ले गए हैं। चोरी गए सामान की कीमत करीब 52 हजार रुपए के आसपास है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

बाइक की टक्कर से युवक की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा दो क्षेत्र में बीते दिनों सड़क हादसे में हुई युवक की मौत के मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

ग्राम जुनपतनिवासी नीरज ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका भाई नवीन 2 अगस्त की रात्रि को डेल्टा सेक्टर से अपने घर के लिए आ रहा था। गेल सोसायटी के पास पीछे से तेज गति में आ रहे बाइक सवार ने नवीन की बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में नवीन गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया नीरज ने आरोपी बाइक सवार के खिलाफ लापरवाही से बाइक चलाकर दुर्घटना कर मृत्यु करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है पुलिस का कहना है कि पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए वाहन नंबर के आधार पर आरोपी चालक की पहचान और गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

लोकार्पण को तकरीबन तैयार नोएडा प्राधिकरण के नए भवन

सितंबर में मुख्यमंत्री करेंगे लोकार्पण, 2-3 माह में शिफ्ट हो जाएंगे सभी कार्यालय

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-96 में बन रहे नोएडा प्राधिकरण के नये भवन में प्राधिकरण के सभी कार्यालय सितंबर तक शिफ्ट हो जाएंगे। भवन का तकरीबन कार्य पूरा हो चुका है। सितंबर में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका लोकार्पण करेंगे।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों की मानें तो प्राधिकरण कार्यालय पूरी तरह शिफ्ट होने में करीब 2-3 माह का समय लगेगा। इस प्रशासनिक भवन का कार्य 96 प्रतिशत पूरा हो चुका है। यहां इंटीरियर और फर्नीचर का काम बचा है। लोगों को यहां तक पहुंचने में परेशानी न हो इसके लिए पहले ही एक्सप्रेस को जोड़ते हुए एक अंडरपास बनाया जा चुका है।

प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि करीब 24 हजार वर्गमीटर जमीन पर इस इमारत का निर्माण किया जा रहा है। दो साल तक काम बंद रहने के बाद प्राधिकरण ने तेजी से इसका काम करवाया। प्राधिकरण की नई बिल्डिंग को बनाने के लिए प्रतिभा इंडस्ट्री लिमिटेड को चुना गया था। उसे 2019 तक निर्माण पूरा करना था। तीन बार एक्सटेंशन देने के बाद निर्माण कार्य की गति काफी धीमी रही।

इन कार्यालयों को किया जाएगा शिफ्ट

- सेक्टर-19 सिविल और मैनटेनेंस
- सेक्टर-39 इलेट्रिकल और मैनटेनेंस विभाग
- सेक्टर-20 सर्किल ऑफिस
- सेक्टर-5 जल खंड और बाह्य एजेंसी
- सेक्टर-6 मुख्य प्रशासनिक खंड का कार्यालय
- सेक्टर-39 जन खंड के अन्य ऑफिस

इसलिए कंपनी को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया। जिस समय कंपनी ने काम करना बंद किया उस समय तक वो टावर-1 में ग्राउंड प्लस तीन फ्लोर और टावर-2 में ग्राउंड प्लस सात फ्लोर और ऑडिटोरियम का स्ट्रक्चर कार्य पूरा कर चुकी थी।

यही नहीं टावर-1 में तीसरे फ्लोर तक प्लास्टर कार्य व स्टोन फ्लोरिंग दूसरे फ्लोर तक कर चुका था। प्राधिकरण वरिष्ठ प्रबंधक ने बताया कि कुल लागत बजट 231.91 करोड के सापेक्ष फर्म की ओर से 116.05 करोड रुपए खर्च किया जा चुका था। दो साल तक काम बंद रहने के बाद प्राधिकरण ने अक्टूबर में दोबारा से कार्य के लिए निविदा जारी की। इस बार 11 अक्टूबर 2022 को एसटी कंस्ट्रक्शन के साथ प्राधिकरण ने एग्रीमेंट साइन किया। कंपनी ने बचे हुए काम को 92 करोड़ 37 लाख रुपए में पूरा कर रही है। अब इस इमारत का 96 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। सितंबर तक काम पूरा होने के बाद प्राधिकरण कार्यालय यहां शिफ्ट हो जाएगा। इस परियोजना का निर्माण 24 हजार वर्गमीटर में किया जा रहा है। इसमें दो टावर बनाए जा रहे है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

नोएडा प्राधिकरण करेगा जमीनों का टोपोग्राफिक सर्वे

26 तक आवेदन आमंत्रित, एक सप्ताह में होगा कंपनी का चयन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में नए सेक्टर को विकसित करने, जमीन की मार्किंग, लैंड बैंक बढ़ाने के लिए प्राधिकरण टोपोग्राफी सर्वे करेगा। जिससे लैंड की वास्तविक स्थिति का पता चल सकेगा। टोपोग्राफिक सर्वे चयन होने वाली कंपनी करेगी। जिसका चयन आगामी एक सप्ताह में किया जाएगा।

टोपोग्राफी करने वाली कंपनी को यहां जमीन की सतह, उसकी ऊंचाई, गहराई, आकार और स्थान का विस्तृत अध्ययन कर एक रिपोर्ट प्राधिकरण को देगी।

प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि ये सर्वे एक्सप्रेस वे से लगी ड्रेन के दोनों साइड सेक्टर-144 से सेक्टर-148 और सेक्टर-162 से 150 तक किया जाएगा। इसके अलावा हिंडन रिवर और इंटरनेल ड्रेन सेक्टर-150 के आसपास होगा। जिससे खाली जमीन और उसकी वास्तविक स्थिति का पता चल सके। प्राधिकरण ने बताया कि जल्द ही सेक्टर-147 को विकसित किया जा जाना है। इसके अलावा इस सर्वे में प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन पर अतिक्रमण की वास्तविक स्थिति का पता चल सकेगा। साथ ही कितनी जमीन प्रयोग की होगी और कितनी में वाटर बॉडी हे। इसकी जानकारी भी मिल सकेगा। बतौर इसके लिए एक कंपनी का चयन किया जा रहा है। जिसके लिए टेंडर जारी किया गया था। 26 अगस्त तक कंपनियां आवेदन कर सकती है। इसके बाद एजेंसी का चयन किया जाएगा।

हिमाचल का संकल्प

सियासत के अक्स में फिर से कोई आएगा, हर दौर को जरूरत है इतिहास फिर से लिखा जाएगा। दो निजी संकल्प हिमाचल विधानसभा के माहौल में सियासत का अतीत और राजनीति का भविष्य ले आए। नाहन के विधायक अजय सोलंकी ने सियासत के शिल्प पर पूर्व मुख्यमंत्री डा. वाई एस परमार का सम्मान खोजा, तो पूर्व मंत्री विपिन सिंह परमार ने समूची राजनीति में छात्रों का कद मापा है। छात्र संघ के चुनाव युवा ऊर्जा का एक बहता हुआ दरिया रहा है, लिहाजा कई नेताओं ने इसी मंच से उठकर प्रदेश में नाम किया। छात्र संघ के चुनाव हों या नहीं हों, इसके ऊपर राजनीति से कहीं अधिक बहस अभिभावकों के प्रांगण में होनी चाहिए। पूछना चाहिए उस अध्यापक से कि क्या परिसर में समय गुजारने के लिए सियासी गश्त होनी चाहिए। बेशक हिमाचल की राजनीति में छात्र संघ की नारेबाजी का जोश बहुत काम आया और परिचय की एक लंबी गली छात्र सियासत से निकल कर मशहूर हुई है। इसमें भी दो राय नहीं कि पूजे वही जाते हैं, जो पत्थर सियासत के दरियाओं से निकले हैं। भाजपा के चेहरों के पीछे छात्र समुदाय ने हमेशा ऐसे दर्पण खड़े किए हैं, जहां कई नेताओं के प्रतिबिंब देखे जाते हैं। यही वजह है कि स्थानीय निकाय चुनावों में अब युवाओं को सियासत में अपना नाम, अपना परिचय और मुकाम दिखाई देने लगा है, लेकिन झील के उस पार फैली हरियाली में भी निमंत्रण है उस प्रतिभा को जो शिक्षा के उद्देश्य में एक सफल नागरिक, व्यवसायी, प्रोफेशनल या वेतनभोगी बनना चाहता है। इसलिए कुछ संकल्प ऐसे भी आने चाहिएं जहां साधारण व्यक्ति को सफलता का मक्का मिले, उपाधि को मंजिल और मेहनत को रास्ता मिले। बहुत पहले ही विधानसभा में ऐसा संकल्प आ जाना चाहिए था कि पूरे प्रदेश में कम से कम आधा दर्जन आई टी पार्क, आधा दर्जन ट्रांसपोर्ट नगर, एक अदद फिल्म सिटी, हर शहर में निवेश केंद्र और हर गांव में व्यापार केंद्र बनने चाहिएं। संकल्प अगर विधायक लें तो यहां पर्यटन राज्य की तासीर में हर युवा को रोजगार मिल पाएगा। संकल्प तो हिमाचल को 'पर्यावरण राज्य' घोषित करने का भी लेना होगा और यह भी लेना होगा कि आगे बढने या पुनर्वास के लिए किसी मुख्यमंत्री को एक बीघा जमीन के लिए वन मंत्रालय की अर्जियों में प्रदेश का हक न खोजना पड़े। मानें या मानें वन एवं पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की शर्तों ने हिमाचल को सियासत के ऐसे पिंजरे में बांध दिया है, जहां आर्थिक, सामाजिक व प्रादेशिक अधिकार शून्य हो चुके हैं। बहरहाल संकल्पों की अहमियत में पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस परमार की शख्सियत को पूजा जा रहा है। वह एक ऐसा पैमाना बन चुके है, जहां बाद में आए हर मुख्यमंत्री को अपनी हस्ती के चिराग जलाने पड़े हैं। कमोबेश हिमाचल का हर मुख्यमंत्री किसी न किसी एक फैसले से स्थायी छवि बना पाया। मुख्यमंत्रियों की मुहिम के अद्यतन वारिस सुखविंदर सुक्खू हैं, जिन्होंने व्यवस्था परिवर्तन के तहत राजस्व विभाग में क्रांतिकारी कदम उठाए हैं, लेकिन इस दौर में वह केंद्र में विपक्ष की हुकूमत से राज्य का सुशासन कहां तक बढ़ा पाते हैं, इसका विश्लेषण जारी है। बेशक हर मुख्यमंत्री हिमाचल के स्वाभिमान के लिए कभी रियासतों को लोकतांत्रिक हसरतों से एक प्रदेश का नाम दे पाया या कभी औद्योगिक पैकेज से प्रेम कुमार धूमल सरीखा मुख्यमंत्री उत्पादन की नई परिपाटी से जोड़ पाया। जयराम ठाकुर ने आम जनता के इलाज की गारंटी में हिमकेयर जैसी परिकल्पना की तो शांता कुमार बिजली की मुफ्त रॉयल्टी से आर्थिक संबल की रीढ़ ले आए। जो भी हो हिमाचल निर्माण की प्रारंभिक कार्यशाला में अगर परमार एक सेतु हैं, तो पंजाब पुनगर्ठन या या प्रदेश के जल, जंगल और जमीन के अधिकार टटोलते सुक्खू के अभिप्राय भी उसी शिद्दत से काम कर रहे हैं। बेशक पंजाब पुनगर्ठन के अधिकार को हमने एकमुश्त हासिल नहीं किया और न ही इस राज्य की राजनीति ने इस मकसद को मंजिल बनाया। वाटर सेस, पर्यावरण संरक्षण की भरपाई और विद्युत परियोजनाओं में हिमाचल की माकूल हिस्सेदारी के लिए पक्ष और प्रतिपक्ष को दृढ़ संकल्प लेने की सहमति विकसित करनी चाहिए। अब समय आ गया है जब हिमाचल सभी पर्वतीय राज्यों के विकास व अस्तित्व के लिए एक स्वतंत्र 'केंद्रीय पर्वतीय विकास मंत्रालय' के गठन की मांग करे।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि इस अत्यन्त अप्रिय वाणी को सुनकर राजा का हृदय काँप उठा और उनके मुख की कांति फीकी पड़ गई। (उन्होंने कहा-) हे ब्राह्मण! मैंने चौथेपन में चार पुत्र पाए हैं, आपने विचार कर बात नहीं कही॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

मागहु भूमि धेनु धन कोसा। सर्बस देउँ आजु सहरोसा॥
देह प्रान तें प्रिय कछु नाहीं। सोउ मुनि देउँ निमिष एक माहीं॥

हे मुनि! आप पृथ्वी, गो, धन और खजाना माँग लीजिए, मैं आज बड़े हर्ष के साथ अपना सर्वस्व दे दूँगा। देह और प्राण से अधिक प्यारा कुछ भी नहीं होता, मैं उसे भी एक पल में दे दूँगा॥

सब सुत प्रिय मोहि प्रान की नाईं। राम देत नहिं बनइ गोसाईं॥
कहँ निसिचर अति घोर कठोरा। कहँ सुंदर सुत परम किसोरा॥

सभी पुत्र मुझे प्राणों के समान प्यारे हैं, उनमें भी हे प्रभो! राम को तो (किसी प्रकार भी) देते नहीं बनता। कहाँ अत्यन्त डरावने और क्रूर राक्षस और कहाँ परम किशोर अवस्था के (बिलकुल सुकुमार) मेरे सुंदर पुत्र!॥

सुनि नृप गिरा प्रेम रस सानी। हृदयँ हरष माना मुनि ग्यानी॥
तब बसिष्ट बहुबिधि समुझावा। नृप संदेह नास कहँ पावा॥

प्रेम रस में सनी हुई राजा की वाणी सुनकर ज्ञानी मुनि विश्वामित्रजी ने हृदय में बड़ा हर्ष माना। तब वशिष्ठजी ने राजा को बहुत प्रकार से समझाया, जिससे राजा का संदेह नाश को प्राप्त हुआ॥ (क्रमशः..)

विधेयक पर हंगामा क्यों, जब मुद्दा है राजनीतिक शुचिता का

गंभीर आपराधिक आरोपों में घिरे नेता चाहे वे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं मंत्री ही क्यों न हो, उनकी गिरफ्तारी या हिरासत के बाद एक निश्चित अवधि बीत जाने पर हटाने की व्यवस्था वाले विधेयक को जब केन्द्र सरकार ने लोकसभा में प्रस्तुत किया तो जरूरत से ज्यादा हंगामा एवं विरोध समझ में नहीं आया। इस तरह ईमानदार, अपराधमुक्त राजनीति एवं चरित्रसम्पन्न-पवित्र राजनेताओं की पैरवी वाले विधेयक पर हंगामा लोकतंत्र की गरिमा को आहत करता है। गृहमंत्री अमित शाह ने सूझबूझ का परिचय देते हुए अपनी ओर से इन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वीकार भी कर लिया, अब तो विपक्ष को विरोध एवं हंगामें को विराम देते हुए इस पर विचार करना चाहिए कि आखिर ऐसी ईमानदार, समानतापूर्ण एवं आदर्श व्यवस्था क्यों नहीं बननी चाहिए, जिससे उच्च पदों पर बैठे नेताओं के गंभीर अपराधों में गिरफ्तारी अथवा हिरासत में लिये जाने पर उनके लिये पद छोड़ना आवश्यक हो जाये? आखिर इस आदर्श व्यवस्था में समस्या क्या है? क्यों विपक्ष नैतिक एवं आदर्श राजनीतिक व्यवस्था में अवरोधक बनकर अपने नैतिक चरित्र पर प्रश्न खड़े कर रहा है? क्या इस विधेयक का असर सत्तापक्ष के नेताओं पर नहीं होगा?

आजादी के बाद से कतितय राजनीतिक विसंगतियों के चलते राजनीति में अपराधी तत्वों का वर्चस्व बना रहा है। जनता यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वह अपना प्रतिनिधि चुनती है, वे अपराधमुक्त, निष्कलंक, ईमानदार और चरित्रवान हों। परन्तु स्थिति इसके विपरीत दिखती रही है। एक ओर जनप्रतिनिधि अपराधों में संलिप्त पाए जाते हैं, दूसरी ओर वे पद से इस्तीफा देने या सार्वजनिक जीवन से दूर रहने के बजाय सत्ता की कुर्सी से चिपके रहते हैं। यही प्रवृत्ति जनता के विश्वास को तोड़ती है और राजनीति को संदेह के घेरे में डाल देती है। यह प्रश्न अब और गंभीर हो उठा है कि क्या ऐसे व्यक्तियों को शासन और सत्ता के उच्च पदों पर बने रहने का अधिकार होना चाहिए? क्या लोकतंत्र का आधार अपराध और भ्रष्टाचार पर खड़ा किया जा सकता है? निश्चित ही नहीं। जब तक राजनीति से अपराधी तत्वों का निष्कासन नहीं होगा, तब तक न तो सुशासन स्थापित हो सकता है न ही नया भारत, विकसित भारत एवं आदर्श भारत बन सकता है और न ही राजनीति के प्रति जनता का भरोसा लौट सकता है।

आज समय आ गया है कि नए कानून बनाकर राजनीति को अपराधमुक्त बनाने की दिशा में ठोस एवं कारगर कदम उठाए जाएं। यह केवल चुनाव सुधार का मामला नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने का प्रश्न है। ऐसे प्रावधान होने चाहिए कि जिस क्षण कोई जनप्रतिनिधि गंभीर अपराध में आरोपित होकर जेल भेजा जाए या आरोप सिद्ध होने तक हिरासत में रहे, वह स्वचालित रूप से अपने पद से मुक्त हो जाए। इस्तीफे की प्रतीक्षा या राजनीतिक

आजादी के बाद से कतितय राजनीतिक विसंगतियों के चलते राजनीति में अपराधी तत्वों का वर्चस्व बना रहा है। जनता यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वह अपना प्रतिनिधि चुनती है, वे अपराधमुक्त, निष्कलंक, ईमानदार और चरित्रवान हों।

दबाव की आवश्यकता ही न रहे। अनेक नेताओं ने ऐसा आदर्श प्रस्तुत भी किया, लेकिन आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा आदि अनेक पार्टियों के नेताओं ने जेल से सरकारें चलाने एवं मंत्री पद पर बने रहने के काले अध्याय रचे हैं, इसी के चलते इस नये विधेयक की अपेक्षा सामने आई।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में स्वच्छ राजनीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। जब सत्ता और शासन के केंद्र में अपराधी मानसिकता के लोग बैठते हैं, तो वे शासन को अपने स्वार्थ और अपराधों की ढाल बना लेते हैं। इससे न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था खोखली होती है, बल्कि आम जनता का जीवन भी संकट में पड़ता है। भ्रष्टाचार, धनबल, बाहुबल, भाई-भतीजावाद, हिंसा और अनैतिकता का वातावरण उसी समय पनपता है, जब राजनीति अपराधियों के कब्जे में जाती है। ईमानदार और स्वच्छ छवि वाले नेताओं की मांग आज पहले से अधिक बढ़ गई है। जनता ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो अपने आचरण से उदाहरण प्रस्तुत करे। राजनीति यदि सेवा और त्याग का माध्यम बनेगी तो ही समाज का कल्याण होगा। जिन नेताओं पर जरा भी संदेह का धुंधलका हो, उन्हें स्वयं स्वेच्छा से पद छोड़ देना चाहिए। यही परंपरा राजनीति को उच्चता और गरिमा प्रदान कर सकती है।

अपराधमुक्त राजनीति केवल नैतिक अपेक्षा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूरी है। जब तक राजनीति में शुचिता और नैतिकता का स्थान नहीं बनेगा, तब तक सुशासन और ईमानदार प्रशासन की कल्पना अधूरी ही रहेगी। नए कानूनों का निर्माण कर अपराधियों के लिए राजनीति के दरवाजे बंद करना समय की सबसे बड़ी मांग है। यह कदम न केवल लोकतंत्र को सुदृ? करेगा, बल्कि जनता के भीतर यह विश्वास भी जगाएगा कि राजनीति वास्तव में लोककल्याण के लिए है, न कि अपराधियों की शरणस्थली। यही अपराधमुक्त राजनीति का दर्शन है, जहां सत्ता अपराधियों का आश्रय-स्थल न होकर समाज की नैतिक ऊर्जा का केंद्र बने। यही उसकी सबसे बड़ी उपयोगिता है कि वह लोकतंत्र को उसकी वास्तविक आत्मा लौटाए और राजनीति को सेवा, शुचिता और ईमानदारी का प्रतीक बनाए।

भारतीय लोकतंत्र में पिछले कुछ वर्षों से राजनीति और अपराध के गठजोड़ को लेकर गहरी चिंता लगातार उठती रही है। जनता बार-बार यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वे संसद और विधानसभा भेजते हैं, वे न केवल ईमानदार और पारदर्शी हों बल्कि उनके चरित्र और आचरण पर कोई दाग न हो। किंतु बार-बार यही देखने को मिलता है कि गंभीर आपराधिक मामलों में फंसे नेता भी उच्च पदों पर बने रहते हैं और शासन-सत्ता का उपयोग अपने बचाव के लिए करते हैं। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार द्वारा संसद में पेश किया गया नया विधेयक (संविधान का 130वां संशोधन) एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है, केन्द्र सरकार इन विधेयकों को भ्रष्टाचार एवं अपराध विरोध बता रही है, जबकि विपक्ष इससे सहमत नहीं। उनकी असहमति अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रही है कि आखिर विपक्ष दागियों की वकालत करते हुए वह स्वयं भी दागी क्यों बन रही है? आशंका जताई जा रही है कि यदि यह संशोधन पारित हो गया तो विपक्ष-शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्री अस्थिर हो सकते हैं, उनके पद संकट में पड़ सकते हैं। दरअसल यह विरोध केवल विधेयक का नहीं बल्कि अपनी राजनीतिक सुविधा, अपनी सत्ता बचाने और सुरक्षा का है। प्रश्न यह उठता है कि क्या विपक्ष वास्तव में अपराधमुक्त राजनीति नहीं चाहता? क्या केवल सत्ता में बने रहने के लिए राजनीति को अपराधियों का अड्डा बनाए रखना आवश्यक है?

विपक्ष का तर्क है कि सरकार इस विधेयक का दुरुपयोग कर सकती है, और केवल आरोप लगाकर भी नेताओं को पद से हटाया जा सकता है। लेकिन सच्चाई यह है कि लोकतंत्र में जब तक कानून कठोर और स्पष्ट नहीं होगा, तब तक राजनीति से अपराध का सफाया संभव नहीं है। यदि किसी निर्दोष व्यक्ति पर आरोप गलत सिद्ध होता है तो उसके लिए पुन: प्रतिष्ठा अर्जित करने के रास्ते खुले रहेंगे, परंतु गंभीर आरोपियों को शासन की कुर्सी पर बने रहने देना लोकतंत्र के साथ अन्याय है, उसकी मूल आत्मा को ध्वस्त करना है। ऐसा अरविन्द केजरीवाल ने पहली बार किया और जेल से ही सरकार चलाने का दम भरते रहे।

आज देश 'विकसित भारत' के संकल्प की ओर बढ़ रहा है। विकसित भारत का सपना केवल तकनीकी प्रगति या आर्थिक मजबूती से पूरा नहीं होगा, बल्कि इसके लिए स्वच्छ, ईमानदार और पारदर्शी राजनीति आवश्यक है। राजनीति में अपराधियों की घुसपैठ न केवल लोकतंत्र की नींव को कमजोर करती है बल्कि जनता के विश्वास को भी तोड़ती है। अपराधमुक्त राजनीति न केवल आदर्श है बल्कि सुशासन और विकास की बुनियादी शर्त है। इसलिए आवश्यक है कि ऐसे विधेयक का स्वागत किया जाए, क्योंकि यह राजनीति को शुचिता, नैतिकता और जनहित के मार्ग पर ले जाने का प्रयास है। राजनीति में एक नये सूरज का उदय है। विपक्ष यदि इसका विरोध करता है तो यह सवाल स्वत: उठता है कि क्यों विपक्ष अपराधमुक्त राजनीति का विरोध करके अपराधियों का संरक्षण कर रहा है? क्या उसे अपने ही दागी नेताओं के लिए भय है? लोकतंत्र को बचाने और मजबूत करने के लिए यह विधेयक समय की मांग है। नया भारत तभी विकसित भारत बनेगा जब उसकी राजनीति अपराधियों से मुक्ति होगी। अपराधमुक्त राजनीति से ही सुशासन आएगा, ईमानदार नेतृत्व पनपेगा और जनता के बीच विश्वास की नई रोशनी जगेगी। यही लोकतंत्र की असली जीत होगी।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

ट्रम्प के रुख से चीन-भारत करीब आये

अमेरिका में 60वें राष्ट्रपति चुनाव के बाद चुनाव से अमेरिका में 47 वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा 50 वें उपराष्ट्रपति जे डी वेन्स चुने गए। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव के पूर्व घोषणा की थी कि उनके राष्ट्रपति चुने जाने के बाद वे रूस यूक्रेन युद्ध और इसराइल हमास युद्ध को तत्काल रुकवाएंगे और वैश्विक आर्थिक तथा सामरिक शांति का प्रादुर्भाव करेंगे। अमेरिका एक शक्ति संपन्न राष्ट है और उसकी नीतियां,राजनीति एवं कूटनीति पूरी दुनिया के देशों को प्रभावित करती है। वह राजनीतिक सामरिक अथवा व्यापारिक लेनदेन के समझौते या युद्ध में मदद की बात को लेकर अमेरिका का दखल लगभग सभी मसलों में एक जैसा रहता है। यह अलग मुद्दा है कि पश्चिम एशिया,चीन, रूस एवं नॉर्थ कोरिया जैसे देश अमेरिका के धुर विरोधी रहे हैं। चीन और रूस के सामरिक,व्यापारिक और एटॉमिक मसलों पर अमेरिका से टकराते रहे हैं। यह गौर किए जाने वाली बात है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ही अमेरिका सहित अन्य कई देशों के दिशा-निर्देश तय करते थे, पर राष्ट्रपति चुने के जाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी घोषणाओं के उलट ना तो वे रूस यूक्रेन युद्ध रुकवा पाए हैं बल्कि ईरान पर बड़े हवाई जहाज हमले से एक नया विवाद खड़ा कर दिया था ले देकर ईरान इजरायल युद्ध रुकवा पाए हैं। दूसरी तरफ नए आयात टैरिफ लगाकर पूरे वैश्विक देश में बेचैनी तथा खलबली मचा दी है। वैश्विक आर्थिक सलाहकार और विशेषज्ञ किस डोनाल्ड ट्रंप की सनक ही बता रहे हैं। और उनके आयत टैरिफ को बहुत ही अपरिपक्व निर्णय की संज्ञा दे रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय देश तथा अन्य पश्चिमी देशों में आयात शुल्क पर काफी दरियादिली दिखाई है और यही वजह है कि नाटो तथा अन्य यूरोपीय देश अमेरिका का अभी भी समर्थन कर रहे हैं।

अमेरिका के चुनाव के नतीजे से भारत के रिश्तों में काफी परिवर्तन हुआ है, डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व कार्यकाल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं डोनाल्ड ट्रंप के संबंध निजी तौर पर काफी प्रगाढ़ रहे थे जो डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान में दी जाने वाली अमेरिकी सहायता के खिलाफ रहे पर अब पाकिस्तान पर उनकी मेहरबानियां काफी बढ़ गई है। उन्होंने पाकिस्तान सेनाध्यक्ष को व्हाइट हाउस में लंच में बुलाकर पाकिस्तान के प्याले में तूफान लाकर खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान की निराश उम्मीद पर पंख लग गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव जीतकर चीन पर भी नियंत्रण रखने का प्रयास किया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाईडेन रूस यूक्रेन युद्ध के मध्य भारत द्वारा रूस से कच्चा तेल लिए जाने पर खासा नाराज हुए थे। भारत पर काफी दबाव भी डाला गया पर भारत ने यह स्पष्ट कर दिया था कि रूस भारत का परंपरागत मित्र होने की वजह से और 1971 में पाकिस्तान के विरुद्ध रूस ने भारत की एक तरफा मदद भी की थी। ऐसे में भारत स्पष्ट रूप से रूस के साथ सामरिक-आर्थिक मामलों में खड़ा हुआ है।

आज की ताजा परिस्थिति का आंकलन करें तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दोस्ती उनके चुनाव के परम सहयोगी टेस्ला के मालिक से पूरी तरह टूट चुकी है, दूसरी तरफ भारत तथा चीन ब्राज़ील व अन्य राज्यों पर भारी आयात शुल्क लगाने पर डोनाल्ड ट्रंप की भारत विरोधी नीति खुलकर सामने आ गई है अमेरिका ने पाकिस्तान जैसे महत्वहीन और फकीर देश को अपना नया शागिर्द बना लिया है। ट्रंप और पुतिन की रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर शांति वार्ता पूर्ण रूप से विफल रही, पुतिन ने अपनी शर्तें डोनाल्ड ट्रंप को साफ तौर पर बता कर कह दिया कि यूक्रेन को नाटो की किसी भी परिस्थिति में सदस्यता ना दी जाए। उधर यूक्रेन ने भी अमेरिका से बातचीत के बाद उसका रूस के साथ युद्ध विराम वाले आदेश को मानने से साफ इनकार कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने रूस द्वारा भारत को कम कीमत पर कच्चे तेल निर्यात किए जाने से कुपित होकर भारत पर 25 से लेकर 50त्न तक आयात शुल्क लागू किया है। भारत ने इस अमेरिकी रुख पर अडिग होकर भारतीय व्यापार तथा नागरिकों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। और अमेरिका का वैकल्पिक बाजार तलाशने के तारतम्य में रूस के साथ दोस्ती को और मजबूत कर चीन के साथ भी दोस्ताना हाथ बढ़ाया है। विदेश मंत्री जयशंकर और एनआईए प्रमुख अजीत डोभाल की चीन की यात्रा उसके तुरंत बाद चीनी विदेश मंत्री ने भारत की यात्रा की है, जिससे भारत चीन व्यापारिक तथा कूटनीतिक संबंधों तेजी और थोड़ी प्रगाढ़ता आई है। भारतीय प्रधानमंत्री भारत और चीन के नए संबंधों के समीकरणों को मजबूत करने के लिए चीन की आधिकारिक यात्रा पर जाने वाले हैं। भारत और चीन के आपसी संबंध मधुर होते ही रूस ने इसका स्वागत किया है। अब भारत रूस चीन तथा ब्राजील एक नए धरातल पर खड़े नजर आ रहे हैं। भारत रूस चीन की त्रिकोणीय जोड़ी विश्व में अमेरिका तथा यूरोपीय देशों के विरुद्ध एक बड़ी शक्ति के रूप में उभरती दिखाई दे रही है। यह अलग अलग बात है कि चीन भी अमेरिका से कम धोखेबाज नहीं है भारत का चीन के साथ पुराने अनुभव बहुत मधुर नहीं रहे हैं। किंतु बदली हुई परिस्थितियों में डोनाल्ड ट्रंप के इस आर्थिक तथा टैरिफ युद्ध के कारण भारत और चीन काफी नजदीक आ गए हैं। चीन के राष्ट्रपति श्री जिनपिंग ने भारत की मित्रता के लिए अपने रुख को स्पष्ट कर दिया है और अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50त्न टैरिफ का खुलकर विरोध भी किया है। इसके अलावा रूस ने डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में अपनी बातचीत के दौरान भारत का पक्ष लेकर डोनाल्ड ट्रंप को आडे हाथों में भी लिया था और यही वजह है कि भारत रूस और चीन अब एक प्लेटफार्म पर खड़े होकर डोनाल्ड ट्रंप तथा यूरोपीय देशों के लिए चुनौती बने के लिए अग्रसर है। इस नए घटनाक्रम के नतीजतन डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय देशों खासकर नाटो देश में काफी खलबली तथा बेचैनी नजर आ रही है। अब निश्चित तौर पर भविष्य ही तय करेगा की भारत की यह नई मित्रता डोनाल्ड ट्रंप के विरुद्ध कितनी कारगर साबित होगी।

- संजीव ठाकुर

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष द्विताया/तृतीया | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
अनाप-शनाप खर्चों होंगे। अज्ञात भय सताएगा। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा संभव है। प्रेम-संतान की स्थिति ठीक है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
यात्रा में कष्ट संभव है। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-मैंमैं से बचें। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यापारिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। कोर्ट-कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
अपमानित होने का भय है। यात्रा अभी रोक कर रखें। कार्य अभी भी विघ्न-बाधा से भरा रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी मध्यम रहेगी।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
शत्रु पर दबदबा कायम रहेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। पैरों में चोट-चपेट लग सकती है

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-मैंमैं से बचें। नकारात्मक ऊर्जा का मानसिक संचार होगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
गृहकलह बड़ा हो सकता है। घरेलू चीजें बाहर जा सकती हैं। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति मध्यम रहेगी। स्वयं के स्वास्थ्य पर और अपनों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नाक, कान व गला की परेशानी हो सकती है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
धन हानि के संकेत हैं। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार लगभग ठीक है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। घबराहट, बेचैनी व उदर रोग से संबंधित परेशानी व रक्तचाप ऊपर-नीचे हो सकता है।

क्रांति नायक राजा राव उमराव सिंह के नाम पर रखा जाए बोड़ाकी जंक्शन का नाम

'जय हो' एक सामाजिक संस्था के पदाधिकारियों ने सांसद डॉ. महेश शर्मा को सौंपा मांग पत्र

ग्रेटर नोएडा। 'जय हो' एक सामाजिक संस्था ने बोड़ाकी में बन रहे रेलवे जंक्शन का नाम 1857 की क्रांति के नायक रहे राजा राव उमराव सिंह के नाम पर रखने की मांग की है। संस्था का कहना है कि प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान दादरी क्षेत्र के 84 रणबांकुरों को अंग्रेजों के द्वारा बुलंदशहर के काला आम पर फांसी की सजा दी गई थी। आज क्षेत्र में बन रहे दिल्ली-एनसीआर के सबसे बड़े रेलवे जंक्शन बोड़ाकी को क्षेत्र के उन्हीं बलिदानियों को समर्पित किया जाए। जिसे लेकर जय हो संस्था के सदस्यों ने शनिवार देर रात को पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद डॉ. महेश शर्मा से मिलकर अपनी मांगों का एक ज्ञापन सौंपा। जिसपर सांसद ने जल्द ही रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिलकर मांग को पूरा कराने में हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

जय हो एक सामाजिक संस्था के अध्यक्ष दिनेश भाटी एडवोकेट ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संस्था द्वारा ऐतिहासिक प्रेरणा यात्रा आयोजित की गई थी। जिसकी सफलता पर क्षेत्रीय सांसद डॉ. महेश शर्मा के द्वारा संस्था के सभी सदस्यों को अपने कार्यालय में आमंत्रित किया गया था। जहां सांसद ने संस्था के सभी कार्यकर्ताओं को अपने हाथ से मिठाई खिलाकर प्रेरणा यात्रा की सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की और भविष्य में भी इस प्रकार के देश भक्ति कार्यक्रम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इस अवसर पर जय हो एक सामाजिक संस्था की ओर से माननीय सांसद महोदय को अपनी मांगों का एक ज्ञापन भी सौंपा गया। जिसे लेकर जय हो के संस्थापक संयोजक कपिल शर्मा एडवोकेट ने बताया कि देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1857 की क्रांति में दादरी क्षेत्र का बड़ा योगदान रहा है। क्षेत्र के कटहेरा गांव निवासी राजा राव उमराव सिंह को गदर का नेता चुना गया था। जिनके नेतृत्व में दादरी क्षेत्र के रणबांकुरों ने अंग्रेज सरकार को दांतों चने चबाने को मजबूर कर दिया था। जिसके फलस्वरूप अंग्रेजी सरकार ने राजा राव उमराव सिंह समेत दादरी क्षेत्र के 84 क्रांतिकारियों को बुलंदशहर के काला आम पर फांसी की सजा दी गई थी। उन्होंने बताया कि आज उन्हीं क्रांतिकारियों की भूमि कटहेरा, बोड़ाकी, पल्ला, रामगढ़ आदि की भूमि पर दिल्ली एनसीआर का सबसे बड़ा रेलवे जंक्शन बोड़ाकी बनाया जा रहा है। ऐसे में क्षेत्र के उन सभी रणबांकुरों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए इस रेलवे जंक्शन का नाम राजा राव उमराव सिंह के नाम पर रखा जाना चाहिए। इसी के साथ इस पूरे स्टेशन को 1857 की क्रांति में शहीद हुए क्षेत्र के बलिदानियों के नाम समर्पित किया जाना चाहिए। इस अवसर पर सांसद डा. महेश शर्मा ने संस्था की मांग पर अपनी सहमति जताई और जल्द ही इस पुण्य पुनीत कार्य के लिए रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात करने का भरोसा दिलाया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि वो स्वंय जल्द ही दादरी तहसील परिसर में बने शहीद स्मारक का निरीक्षण करेंगे और शहीद स्तंभ को नमन भी करेंगे। जिसके निरीक्षण के बाद उसके भी जीर्णोद्धार की योजना बनाई जाएगी।

इस अवसर पर संस्था के संरक्षक सुधीर वत्स, कपिल चौधरी, रविंद्र रौसा, संयोजक संदीप भाटी, महासचिव परमानंद कौशिक, सुनील कश्यप, दीपक शर्मा एडवोकेट, सुरजीत विकल, विवेक रावल, सचिन शर्मा, पांचादित्य शर्मा, यश दीक्षित आदि लोग मौजूद थे।

सपा के पोषित माफिया और गुंडों से जान का खतरा : पूजा पाल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की चायल विधानसभा क्षेत्र से

विधायक पूजा पाल ने एक बार फिर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर गंभीर आरोप लगाया है. उन्होंने कहा है कि सपा के पोषित माफिया और गुंडों से उनकी जान को खतरा है. अपने पति राजू पाल की हत्या के दर्द को याद करते हुए पूजा पाल ने एक पत्र के माध्यम से अखिलेश यादव को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने सपा की अपराधियों को संरक्षण देने की नीति और सपा से खुद के निष्कासन को लेकर तीखा हमला बोला है।

यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें पूजा ने अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंका जताई और कहा कि जब मेरे पति की हत्या हुई उस समय राज्य में समाजवादी पार्टी की ही सरकार थी, इसलिये मुझे भय है कि समाजवादी पार्टी के पोषित माफिया गुंडे मेरी हत्या करा सकते हैं।

पूजा पाल ने पत्र में लिखा कि 2005 में उनके पति राजू पाल की सपा शासनकाल में दौड़ा-दौड़ाकर हत्या की गई थी. उस समय प्रयागराज के मुख्य मार्गों पर एके-47 से घंटों फायरिंग कर आतंक फैलाया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि सपा ने उनके और उनके पति के खिलाफ माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ को तीन चुनावों में प्रत्याशी बनाकर विरोध किया. उन्होंने कहा कि जब मुझे सहारे की जरूरत थी, तब सपा ने मेरे पति के हत्यारे को मेरे खिलाफ खड़ा किया. लेकिन मेरे क्षेत्र की जनता और पाल समाज ने मेरा साथ दिया और सपा के अपराधी प्रत्याशियों को हराया. पूजा ने इस समर्थन के लिए जनता और पाल समाज का आभार जताया।

साइड न देने पर बस चालक को पीटा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा दो क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेसवे के जीरो पॉइंट पर कार सवार युवकों ने बस चालक के साथ मारपीट की। बस चालक द्वारा साइड ना दिए जाने से गुस्साए युवकों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया।

जनपद हाथरस निवासी यशपाल सिंह ने बताया कि वह अपनी बस लेकर यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते आ रहे थे जीरो पॉइंट के पास ब्रिजा कार के चालक ने बस को ओवरटेक कर रुकवा लिया कार से तीन युवक उतरे और उन्होंने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी इस दौरान बस के स्टाफ ने जब उन्हें बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने स्टाफ के साथ में मारपीट की। मारपीट के बाद आरोपी गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। यशपाल सिंह ने शैंकी व अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ थाना बीटा दो में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी युवकों की तलाश की जा रही है।

महिला मित्र को सामान देने गए युवक से मारपीट

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के सुपरनोवा बिल्डिंग में अपनी महिला मित्र

का सामान पहुंचाने गए युवक के साथ दो युवकों ने मारपीट कर उसे घायल कर दिया। आरोपियों में एक महिला का पुराना मित्र है। पीड़ित के भाई ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर 45 के एनआरआई रेजिडेंसी टावर में रहने वाले हर्ष पांडे ने दर्ज कराई रिपोर्ट बताएं कि उनका भाई यश पांडे अपनी महिला मित्र का सामान पहुंचाने के लिए सुपरनोवा बिल्डिंग में स्थित उसके फ्लैट पर गया था। इस दौरान महिला मित्र का पुराना मित्र उमंग जैन अपने एक साथी के साथ फ्लैट पर पहुंचा और जबरन दरवाजा खोलकर अंदर घुस गए। उमंग जैन उसके साथियों ने यश पांडे के साथ मारपीट के इस दौरान आरोपियों ने उस पर पिस्टल भी तान दी। मारपीट करने के बाद दोनों आरोपी इस मामले में पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। हर्ष पांडे के मुताबिक मारपीट में उसके भाई यश को काफी चोटे आई हैं जिसका इलाज चल रहा है। पुलिस का कहना है कि पीडि़ति की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पृष्ठ एक के शेष....

पुलिस ने ....

विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। साथ ही निष्पक्ष जांच और पीड़िता के परिजनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। इससे पहले, रविवार को पत्नी निक्की को जिंदा जलाने का आरोपी पति विपिन भाटी पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गया। ग्रेटर नोएडा की कासना कोतवाली पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसकी निशानदेही पर ज्वलनशील पदार्थ (थिनर) बरामद करने के लिए उसे लेकर सिरसा गांव गई थी।

वहीं, घायल विपिन को देखने पहुंची उसकी मां और आरोपी दया को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने विपिन को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने बताया, मुखबिर की सूचना और इलेक्ट्रानिक सर्विलांस के जरिये आरोपी विपिन को गिरफ्तार किया गया।

ब्यूटी पॉर्लर के नाम पर लाया था थिनर!

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में कासना कोतवाली के सिरसा गांव में दहेज में 35 लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर पत्नी को जिंदा जलाने की रोंगटे खड़ी कर देने वाली घटना के बाद लोगों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। रूपबास गांव में मृतका के घर सांत्वना देने वालों का न केवल ताता लगा है, बल्कि सोशल मीडिया पर लोग अपनी प्रतिक्रिया देकर दहेज के लोभियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

वहीं, पुलिस जांच में सामने आया है कि ज्वलनशील पदार्थ (थिनर) डालकर हत्यारोपितों ने निक्की को जिंदा जलाया था। एक महीने पहले विपिन दिल्ली की एक दुकान से थिनर खरीदकर लाया था। निक्की के साथ मारपीट तो वह कई बार कर चुका था। पिछले एक माह से वह निक्की की हत्या की योजना बना रहा था।

विपिन भाटी आवारा किस्म का था। ग्रामीणों ने बताया कि वह कोई काम नहीं करता था। रात में डिस्को जाता था। निक्की को घर चलाने के लिए पैसा देना बंद कर दिया था। घर का खर्चा चलाने के लिए कई बार पिता से पैसे लिए। बाद में निक्की घर पर ही ब्यूटी पार्लर चलाकर परिवार का भरण-पोषण करने लगी। हत्यारोपी ब्यूटी पार्लर के नाम पर ही थिनर खरीदकर लाया था।

लोकार्पण को तकरीबन तैयार....

पहला टावर ग्राउंड प्लस 3 यानी चार मंजिल पहले ये 18 मंजिल का बनना था। इसका एरिया 11 हजार 340 वर्गमीटर है। दूसरा टावर ग्राउंड प्लस सात फ्लोर कुल आठ फ्लोर का है जिसमें कुल कवर्ड एरिया 14 हजार 840 वर्गमीटर है। इस भवन में आडिटोरियम 1780 वर्गमीटर, प्रथम बेसमेंट पार्किंग 19678 वर्गमीटर, सेकंड बेसमेंट पार्किंग 19678 वर्गमीटर है। परियोजना का कुल बजट 303.92 करोड रूपये तथा सिविल कार्य के लिए 231.11 करोड एवं विद्युत के लिए 72.81 करोड है।

भवनों व फ्लैटों के....

बल्कि निवासियों को भी पर्याप्त राहत मिली।

उन्होंने सीईओ से मांग की है कि निवासियों पर उचित दंड लगाकर ऐसे निर्माणों को नियमित करने की अनुमति प्रदान करे। इस विषय की विस्तृत समीक्षा हेतु एक समर्पित समिति का गठन करे। सुरक्षा, सुविधा एवं शहरी नियोजन के अनुरूप नियमितीकरण हेतु स्पष्ट, पारदर्शी एवं व्यावहारिक दिशानिर्देश जारी करे।

गोगामेडी मंदिर दर्शन ....

मुनी सीएचसी में 18, दस को जटिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसमें कैलाश अस्पताल में चिकित्सकों ने दो बच्चे समेत छह लोगों और मुनी सीएचसी में दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। अन्य लोगों का उपचार शुरू कर दिया गया है।

मृतकों में मृतक चांदनी(12), रामबेटी (62), ईपू बाबू (50), धनीराम (40), मौश्री, शिवांश (6) और अन्य है। मौके पर एसपी देहात, एसपी अपराध शंकर प्रसाद, एडीएम प्रमोद कुमार पांडेय, एसडीएम प्रतीक्षा पांडेय, सीओ पूर्णिमा सिंह समेत चार थानों का पुलिस बल मौजूद रहा।

एसपी देहात डॉ. तेजवीर सिंह ने बताया कि कासगंज जनपद के सोरो थाना क्षेत्र के रफायदपुर गांव में रहने वाले श्रद्धालु रविवार शाम छह बजे राजस्थान के हनुमान गढ़ जिले में स्थित गोगामेडी मंदिर में जात लगाने के लिए रवाना हुए थे। गांव के लगभग 60 श्रद्धालु ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार थे। घटाल गांव के पास पहुंचते ही हादसा हो गया।

घटना को लेकर बुलंदशहर के एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात करीब 2~15 बजे अलीगढ़ बॉर्डर एनएच 34 पर एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी है। करीब 60-61 लोग ट्रैक्टर में सवार होकर कासगंज जिले से राजस्थान जा रहे थे। पीछे से तेज गति से आ रहे एक कंटेनर ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे ट्रैक्टर पलट गया और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए। आठ लोगों की मौत हो गई है। 45 लोगों का अभी इलाज चल रहा है, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। बाकी सभी की हालत ठीक बताई जा रही है। तीनों अभी वेंटिलेटर पर हैं। ट्रैक्टर को मौके से हटा दिया गया है। जिस ट्रक की वजह से हादसा हुआ, वो पुलिस की हिरासत में है।

घायलों के नाम पता

01- रघुवीर पुत्र ईश्वरी प्रसाद(उम्र-60 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
02- हरिसिंह पुत्र रामस्वरूप (उम्र-60 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
03- प्रिंस पुत्र विनोद(उम्र-08 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
04- मूलचन्द पुत्र श्री राम सहाय (उम्र-17 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
05- दिव्या पुत्री राजीव(उम्र-14 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
06- शकुंतला पत्नी अजीत (उम्र-65 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
07- पातीराम पुत्र गोपी (उम्र-75 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
08- मुस्कान पुत्री राजू(उम्र-06 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
09- रजनीश पुत्र राम सिंह (उम्र-25 वर्ष) निवासी हथनापुर जनपद फर्रुखाबाद
10- जितेन्द्र पुत्र पूरन सिंह (उम्र-18 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
11- पूरन सिंह पुत्र दामोदर (उम्र-40 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
12- कमल पुत्र राजू (उम्र-06 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
13- रेशम देवी पत्नी रघुवीर सिंह (उम्र-60 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
14- आकाश पुत्र विजय (उम्र-23 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
15- शिवचरण पुत्र विजय सिंह (उम्र-21 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
16- रामचरण पुत्र विद्याराम (उम्र-30 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
17- आन्या पुत्री प्रमोद (उम्र-10 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
18- संध्या पुत्री सुरेन्द्र(उम्र-20 वर्ष) निवासी मिलकिनिया थाना सोरों जनपद कासगंज
19- कन्छा पत्नी रामसहाय(उम्र-60 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
20- रमेश चन्द्र पुत्र भोजराम (उम्र-60 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
21- अजय मोर्या पुत्र जिशुकरान (उम्र-18 वर्ष) निवासी बदायूँ
22- भूदेवी पत्नी जंगाली (उम्र-60 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
23- लेखराज पुत्र नेमसिंह (उम्र-40 वर्ष) निवासी भैंसौरा
24- सुरेन्द्र पुत्र तेजपाल (उम्र-34 वर्ष) निवासी मिलकिनिया थाना सोरों जनपद कासगंज
25- प्रमोद पुत्र खेमकरण (उम्र-32 वर्ष) निवासी आनन्द पुर थाना सोरों जनपद कासगंज
26- मौसम पुत्र दिनेश (उम्र-10 वर्ष) निवासी आनन्द पुर थाना सोरों जनपद कासगंज
27- खुशबू पत्नी भोले शंकर (उम्र-20 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
28- गनेश पुत्र वीरफल(उम्र-28 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
29- जशोदा पत्नी योगेश (उम्र-40 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
30- खेमकरण पुत्र वीरफल (उम्र-60 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
31- लक्ष्मी पत्नी लेखराज (उम्र-30 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
32- भानू पुत्र रवि (उम्र-12 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
33- सचिन पुत्र कालीचरन (उम्र-10 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
34- विजय पुत्र कालीचरण (उम्र-07 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
35- अक्षय सिंह पुत्र तुलसीदास (उम्र-32 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
36- नीरज पत्नी कालीचरण (उम्र-35 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
37- अर्चना पुत्री कालीचरण (उम्र-08 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
38- बाबूराम पुत्र सोनपाल (उम्र-66 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
39- उमाशंकर पुत्र सोनपाल (उम्र-60 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
40- पार्वती पत्नी लेखराज (उम्र-40 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज
41- रूबी पत्नी अजय (उम्र-27 वर्ष) निवासी मौ0 जवाहरपुर बदायूँ
42- संदीप पुत्र विजय (उम्र-07 वर्ष) निवासी आवासविकास कॉलोनी जनपद कासगंज
43- खेमकरन पुत्र मिहोलाल (उम्र-65 वर्ष) निवासी रफातपुर थाना सोरों जनपद कासगंज

हथियार के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस में अलग-अलग स्थान से दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुए हैं। पकड़े गए दोनों बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे।

थाना रबूपुरा प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम मिर्जापुर कट पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान सूचना मिली कि ग्राम रोनिजा जाने वाले अंडरपास से आगे एक बदमाश अवैध असलाह लिए खड़ा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने उक्त व्यक्ति को दबोच लिया तलाशी में उसके पास से तमंचा कारतूस बरामद हुए पूछताछ में बदमाश ने अपना नाम सुशील सिंह पुत्र पहलवान सिंह निवासी झुग्गी ब्लॉक कल्याणपुरी दिल्ली बताया।

वही थाना ईकोटेक 1 पुलिस ने बूढ़ा घरबरा के पास एक बाइक सवार बदमाश को हिरासत में लिया। तलाशी में इसके पास से तमंचा का कारतूस बरामद हुए पूछताछ में बदमाश ने अपना नाम राहुल उर्फ नीलू उर्फ लालू पुत्र सतीश निवासी ग्राम इमलियाका बताया। पुलिस का कहना है कि दोनों ही बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे थे।

सात माह बाद मोबाइल स्नैचिंग की रिपोर्ट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-3 में एक व्यक्ति ने अपना मोबाइल फोन छीनने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मोबाइल छीनने का यह मामला करीब 7 माह बाद दर्ज हुआ है।

मूल रूप से जनपद मैनपुरी निवासी ऋषभ यादव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 29 जनवरी की सुबह न्यू हॉलैंड रोड उद्योग केंद्र के पास से जा रहे थे। इस दौरान बाइक पर आ रहे दो युवकों ने उनके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया मोबाइल फोन छीनने के बाद वह बाइक से फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

दो बाल अपचारी पकड़े

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा दो पुलिस ने दो बाल अपचारियों को पुलिस संरक्षण में लिया है। इनके पास से चोरी की दो बाइक बरामद हुई है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम नट मढ़ैया गोल चक्कर पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बाइक पर आ रहे दो किशोरों को पुलिस ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देख कर दोनों किशोर बाइक छोड़कर भागने लगे। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को दबोच लिया। पूछताछ में पता चला कि दोनों किशोर नाबालिक हैं। दोनों किशोरों ने स्वीकार किया कि उनसे बरामद बाइक चोरी की है। पुलिस ने दोनों बाल अपचारियों को उनके जुर्म के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें पुलिस संरक्षण में ले लिया दोनों किशोरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

Name Change

This is to inform you that I, **Dharmendra Kumar S/o Udayveer**, have changed my Name to Dharmendra S/o Udayveer Singh, My Correct Date of Birth is 12/12/1972. Going forward, I will be known on the Name of Dharmendra S/o Udayveer Singh.

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मैसर्स प्रिंस लॉजिस्टिक जिसका फर्म रजिस्ट्रेशन नंबर जीबीएन/0003752 और व्यसवासिक स्थल ईको शॉप नंबर-31 उद्योग विहार बिल्डिंग मटेरियल मार्केट, ग्रेटर नोएडा जिला गौतम बुध नगर है। उपरोक्त फर्म के भागीदार श्री सुनील कुमार नागर पुत्र श्री नत्थी सिंह ने स्वेच्छा से 21 फरवरी 2025 को अवकाश ग्रहण कर लिया था एवं श्री पंकज नागर पुत्र श्री सुरेंद्र सिंह नागर को नए भागीदारी के रूप में दिनांक 21 फरवरी 2025 से ही फर्म में सम्मिलित कर लिया गया है फर्म में किसी भी प्रकार का कोई विवाद नहीं है।

पंकज नागर पुत्र श्री सुरेंद्र सिंह नागर (एफिडेविट कर्ता)

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

अंतरिक्ष में गुप्त मुहिम पर रवाना हुआ अमेरिकी शटल

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरिक्ष में गोपनीय प्रयोग करने के लिए एक और अमेरिकी सैन्य 'मिनी शटल' प्रक्षेपित किया गया। स्पेसएक्स द्वारा भेजे गए इस अंतरिक्ष यान ने फ्लोरिडा के केप कैनावेरल से अकेले ही उड़ान भरी। अमेरिकी अंतरिक्ष बल के अनुसार, यह बिना जीपीएस के लेजर संचार और सुरक्षित नौवहन का परीक्षण करेगा। अभी स्पष्ट नहीं है कि यह मिनी शटल कब तक अंतरिक्ष में रहेगा। आखिरी एक्स-37बी यान मार्च में जमीन पर लौटने से पहले लगभग एक साल तक पृथ्वी की परिक्रमा करता रहा था।

ट्रंप के 34 शहरों की फंडिंग काटने के फैसले पर जज ने लगाई रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन के बोस्टन, शिकागो, डेनवर, लॉस एंजिलिस जैसे 34 शहरों और काउंटी की फंडिंग काटने के फैसले पर रोक लगा दी है। ट्रंप प्रशासन ने संघीय आव्रजन प्रयासों में सहयोग न करने की नीतियों के चलते इन शहरों को मिलने वाली संघीय फंडिंग में कटौती का एलान किया था। सैन फ्रांसिस्को में अमेरिकी जिला न्यायाधीश विलियम ऑरिक ने यह आदेश दिया। जज ने अपने पहले के आदेश में सैन फ्रांसिस्को, पोर्टलैंड और सिएटल सहित एक दर्जन से अधिक अन्य शहरों और काउंटियों को संरक्षण प्रदान किया था।

ट्रंप ने फिर अलापा भारत-पाकिस्तान सीजफायर कराने का राग

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध पर एक सवाल पूछे जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, टैंगो के लिए दो लोगों की ज़रूरत होती है। मैं उन दोनों (पुतिन-जेलेंस्की) के साथ एक बैठक करना चाहता था... लेकिन कई लोगों को लगता है कि उस बैठक से कुछ नहीं होगा... इसी के साथ ट्रंप ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्षविराम में भूमिका निभाने का दावा किया। उन्होंने कहा, हमने भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध की संभावना को खत्म कर दिया है... मैंने सभी समस्याओं का समाधान कर दिया है...। दो हफ्ते बाद हमें पता चल जाएगा कि वे किस तरफ जा रहे हैं।

इस्राइल पर सख्त कदम न उठा पाने पर डच विदेश मंत्री का इस्तीफा, सरकार में मचा हड़कंप

एम्स्टर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड के विदेश मंत्री कास्पर वेल्डकैंप ने शुक्रवार शाम अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि वे गाजा युद्ध को लेकर इस्राइल पर नए प्रतिबंध लगाने में नाकाम रहे। वेल्डकैंप ने संसद को पहले ही जानकारी दी थी कि वे इस्राइल के गाजा सिटी और अन्य घनी आबादी वाले इलाकों में सैन्य कार्रवाई के जवाब में कुछ कड़े कदम उठाना चाहते हैं। लेकिन उन्हें अपने गठबंधन दलों का समर्थन नहीं मिला, जिसके कारण वे प्रस्ताव लागू नहीं कर सके। एक समय में इस्राइल में राजदूत रहे 61 वर्षीय राजदूत वेल्डकैंप ने कहा कि मैं खुद वो नीति लागू नहीं कर पा रहा हूं, जिसे मैं ज़रूरी मानता हूं, इसलिए इस्तीफा देना ही उचित है।

कोस्टा रिका के इतिहास में पहली बार, भ्रष्टाचार के आरोपों में मौजूदा राष्ट्रपति खुद पेश हुए

सैन जोस, एजेंसी। कोस्टा रिका में पहली बार ऐसा हुआ है जब किसी मौजूदा राष्ट्रपति ने खुद पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर सांसदों के सामने जाकर अपना बचाव किया है। राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस शुक्रवार को संसद की एक विशेष समिति के सामने पेश हुए, जो यह तय कर रही है कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए उनकी इम्युनिटी (संवैधानिक छूट) हटाई जाए या नहीं। बता दें कि देश के अटॉर्नी जनरल और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने मांग की है कि चावेस की इम्युनिटी हटाई जाए ताकि उन पर मुकदमा चलाया जा सके। उनका आरोप है कि राष्ट्रपति चावेस ने एक प्रोड्यूसर पर दबाव डाला कि वह सेंट्रल अमेरिकन बैंक फॉर इकोनॉमिक इंटीग्रेशन से मिले कॉन्ट्रैक्ट का कुछ हिस्सा उनके पूर्व चुनाव सलाहकार को दे। चावेस ने सभी आरोपों से इनकार किया और कहा कि यह सब एक राजनीतिक बदले की साजिश है। उन्होंने कहा कि देश में कई भ्रष्टाचार के मामले वर्षों से लंबित हैं और ड्रग माफिया भी बिना सजा के छूट जाते हैं, लेकिन उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

सीमा पर उत्तर कोरियाई सैनिकों पर गोलीबारी

दक्षिण कोरिया पर लगा तनाव बढ़ाने की कोशिश करने का आरोप

सियोल, एजेंसी। उत्तर और दक्षिण कोरिया की सीमा पर उत्तर कोरियाई सैनिकों पर गोलीबारी हुई। उत्तर कोरिया का आरोप है कि जब हमारे सैनिक सीमा पर बैरियर लगा रहे थे तो दक्षिण कोरिया के सैनिकों ने गोलियां चलाई। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर तनाव बढ़ाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

उत्तर कोरियाई पीपुल्स आर्मी के जनरल स्टाफ के उप प्रमुख को जोंग चोल ने कहा कि गोलीबारी दक्षिण कोरिया-अमेरिका के ग्रीष्मकालीन सैन्य अभ्यास के साथ हुई है। उत्तर कोरिया की आर्मी के जनरल स्टाफ के उप प्रमुख को ने कहा कि उत्तर कोरियाई सैनिक कोरियाई देशों के बीच क्षेत्र को पूरी तरह से अलग करने के लिए दक्षिणी सीमा को स्थायी रूप से अवरुद्ध कर रहे हैं। इस परियोजना के तहत सीमा पर काम चल रहा है। तभी दक्षिण कोरिया ने एक ऑडियो चेतावनी और चेतावनी गोलीबारी के साथ जवाब दिया।

को ने कहा कि उत्तर कोरिया ने आकस्मिक झड़पों को रोकने के लिए 25 जून और 18 जुलाई को सीमा पर कार्य करने की अपनी योजना के बारे में दक्षिण में अमेरिकी सेना को सूचित कर दिया है। दक्षिणी सीमा प्रबंधन और सुरक्षा के लिए जिम्मेदार कमांडिंग अधिकारी के रूप में मैं मांग करता हूं कि दक्षिण कोरिया इस खतरनाक उकसावे को तुरंत रोके। इसका

उद्देश्य दक्षिणी सीमा पर किलेबंदी परियोजना को तनाव बढ़ाने का बहाना बनाना है, जो हमारी संप्रभुता की रक्षा के लिए आवश्यक है।

दक्षिण कोरिया का जवाब

दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने पुष्टि की कि उन्होंने मंगलवार दोपहर उत्तर कोरियाई सैनिकों पर चेतावनी स्वरूप गोलियां चलाईं, क्योंकि वे कुछ समय के लिए मध्य सीमा क्षेत्र में सैन्य सीमांकन रेखा को पार कर गए थे। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि सैनिक बिना किसी घटना के उत्तर कोरियाई क्षेत्र में लौट आये। उत्तर कोरिया ने भी जवाबी गोलीबारी नहीं की। हाल के महीनों में दक्षिण कोरिया की सेना ने कभी-कभी सैन्य सीमांकन रेखा पार करने वाले उत्तर कोरियाई सैनिकों को पीछे हटाने के लिए लाउडस्पीकर से चेतावनी दी है और गोलियां भी चलाई हैं। उत्तर कोरियाई सैनिक बढ़ते तनाव के बीच सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए टैंक रोधी बैरियरों का निर्माण कर रहे थे। बारूदी सुरंगें बिछा रहे थे और अन्य कार्य कर रहे थे।

बढ़ रही दुश्मनी

कोरियाई देशों के बीच दुश्मनी अब चरम पर है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन अपनी सैन्य परमाणु क्षमताओं का प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को लेकर रूस के साथ खड़े हैं।

वहीं पिछले साल किम ने एलान किया था कि उत्तर कोरिया दोनों कोरियाओं के बीच शांतिपूर्ण एकीकरण के अपने लक्ष्य को छोड़ रहा है और दक्षिण कोरिया को एक स्थायी दुश्मन मान रहा है। उन्होंने उत्तर कोरिया के संविधान को फिर से लिखने का आदेश दिया था। किम सरकार ने दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे म्यांग के कूटनीतिक प्रस्तावों को खारिज कर दिया है। म्युंग ने कहा था कि सीमा पर तनाव को कम करने के लिए दक्षिण कोरिया 2018 के अंतर-कोरियाई सैन्य समझौते को बहाल करने का प्रयास करेगा। उन्होंने उत्तर कोरिया से विश्वास का पुनर्निर्माण करने और बातचीत को फिर से शुरू करने का आग्रह किया था।

न्यूयॉर्क में टूरिस्ट बस पलटी, 5 की मौतःबस में भारतीय भी थे, ड्राइवर के कंट्रोल खोने से हुआ हादसा

अल्बानी, एजेंसी। न्यूयॉर्क में शुक्रवार को नायग्रा फॉल्स से न्यूयॉर्क सिटी जा रही एक टूरिस्ट बस पलट गई, जिससे 5 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस के मेजर आंद्रे रे ने मीडिया को बताया कि बस के ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया जिससे बस पलट गई। यह हादसा स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। बस में 54 यात्री सवार थे। ज्यादातर यात्रियों ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी, जिससे हादसे के समय खिड़कियां टूटने से कई यात्री बस से बाहर गिर गए।

बस में ज्यादातर यात्री भारत, चीन और फिलिपींस के : न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस के प्रवक्ता ट्रूपर जेम्स ओ'कालाघन ने बताया, बस में बच्चे भी थे। अधिकांश यात्री भारत, चीन और फिलिपींस मूल के थे। घायलों को हेलिकॉप्टर और एम्बुलेंस से बफैलो के एरी काउंटी मेडिकल सेंटर और आसपास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। दोपहर 2:10 बजे तक कम से कम आठ मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। ओ'कालाघन ने कहा, यह एक बड़ी पर्यटक बस थी, जिसमें भारी नुकसान हुआ।

न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने एक्स पर लिखा कि उन्हें इस दुखद दुर्घटना के बारे में जानकारी दी गई है और उनका कार्यालय, पुलिस और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। एक चश्मदीद, मदीना के पॉवेल स्टीफंस ने बताया कि सड़क पर टूटी खिड़कियां, बिखरा सामान और मलबा था। हादसे के कारण रोड बंद कर दी गई। ड्राइवरों को इस इलाके से न गुजरे की सलाह दी गई। बचाव कार्य अभी भी जारी है।

मस्क-ट्रम्प को लड़वाया, अब भारत में अमेरिकी राजदूत बने सर्जियो

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका का अगला राजदूत नियुक्त किया है। उन्हें शुक्रवार को दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। सर्जियो गोर को मस्क और ट्रम्प के बीच लड़ाई शुरू कराने वाला माना जाता है। मस्क ने नाराज होकर गोर को 'सांप' तक कह दिया था। सर्जियो लंबे समय से ट्रम्प परिवार के भरोसमंद रहे हैं।

पहले उनका काम ट्रम्प से जुड़े कार्यक्रमों को देखना था। वे यह भी देखते रहे हैं कि ट्रम्प से कौन मिल सकता है और कौन नहीं। इसलिए अमेरिकी मीडिया उन्हें ट्रम्प का 'गेटकीपर' भी कहती है। यानी कि ऐसा शख्स जो ट्रम्प तक पहुंचने के रास्ते पर पहरेदार की तरह खड़ा है।

गोर को नई जिम्मेदारी मिलने को लेकर राष्ट्रपति ट्रम्प ने खुशी जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- ट्रम्प की अमेरिकी फर्स्ट नीति के समर्थक हैं गोर । गोर ने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रम्प के लिए फंड जुटाने में भी बड़ी भूमिका निभाई है। गोर ट्रम्प के खास माने जाते हैं। गोर ट्रम्प की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के कट्टर समर्थक हैं। साथ ही उन्होंने ट्रम्प प्रशासन में ऑफिसर्स की नियुक्ति करने में भी योगदान दिया है।

माना जा रहा है कि गोर भारत में अमेरिका फर्स्ट एजेंडे को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभा

सकते हैं। इनकी नियुक्ति को ट्रम्प प्रशासन की रणनीति से जोड़ा जा रहा है, जिसके तहत ट्रम्प अपने करीबियों को अहम कूटनीतिक पदों पर बिठाकर अपनी ताकत को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। सर्जियो गोर पहली बार अमेरिकी राजनीति और मीडिया में 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान चर्चा में आए थे। ट्रम्प ने उन्हें कैंपेन एडवाइजर बनाया था। बाद में वे ट्रम्प के पर्सनल चीफ बने। तब गोर की जिम्मेदारी थी कि अगर ट्रम्प जीतते हैं तो नए प्रशासन में किसे-किसे नियुक्त किया जाए। यानी उनका काम था हजोरों पदों के लिए नाम चुनना और यह जांचना कि उनकी ट्रम्प में कितनी निष्ठा है।

जैसे ही गोर को यह जिम्मेदारी मिली अमेरिकी और यूरोपीय मीडिया ने उनकी 'जन्मकुंडली' खंगालनी शुरू की। तब पता चला कि उनका असली नाम सर्जियो गोरोखोव्सकी है। उनका जन्म 1986 में ताशकंद, उज्बेकिस्तान में हुआ था, यह तब सोवियत संघ का हिस्सा था। हैरानी की बात ये थी कि गोर हमेशा दावा करते आए हैं कि वे माल्टा (यूरोपीय देश) में जन्मे हैं। जब इस मामले ने तूल पकड़ा तो माल्टा सरकार खुद एक्शन में आई और कहा कि उनके पास गोर के जन्म का कोई रिकॉर्ड नहीं है।

इसके बाद गोर की जन्म से जुड़े ताशकंद वाले रिकॉर्ड सामने आ गए। तब गोर ने पहली बार माना कि वे माल्टा में पैदा नहीं हुए थे। उनके वकील रोबर्ट गार्सन ने मीडिया को बताया कि सर्जियो गोर का जन्म ताशकंद में हुआ था, लेकिन वह कुछ ही समय बाद माल्टा आ गए थे। उनकी पढ़ाई वहीं से हुई है इसलिए अपनी पहचान माल्टा से बताते हैं।

मार्च में व्हाइट हाउस की एक कैबिनेट मीटिंग के दौरान मस्क और गोर के बीच बहस हो गई थी। मस्क ने कहा था कि गोर जिस तरह से लोगों को व्हाइट हाउस में नौकरी पर ला रहे हैं, वह ठीक नहीं है। यह बात सुनकर गोर नाराज हो गए और उन्होंने गुस्से में कहा कि वे मस्क से बदला लेंगे। इसके बाद मस्क ने साफ कह दिया कि वह गोर के साथ व्हाइट हाउस में काम नहीं करेंगे। इसके बाद 30 मई को मस्क ने अपने बनाए डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी से इस्तीफा दे दिया।

राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच टकराव सही नहीं है, हम इससे चिंतित हैं: पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत पर 50 फीसदी लगाने और बिगड़ते रिश्ते पर एक और पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लताड़ लगाई है। ओबामा प्रशासन में विदेश मंत्री रहे जॉन केरी ने कहा कि किसी कूटनीतिक प्रयास के बिना अल्टीमेटम देना कोई महानता नहीं है। भारत और अमेरिका के संबंधों में तनाव बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

केरी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच टकराव सही नहीं है। हम इससे चिंतित हैं। बड़े राष्ट्र हमेशा लोगों को अल्टीमेटम देकर महानता प्रदर्शित नहीं करते हैं। बल्कि कूटनीतिक प्रयासों के जरिये काम करते हैं। ताकि आम सहमति बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि ओबामा शासन के दौरान बातचीत सहयोग और सम्मान के साथ होती थी। लेकिन अब कुछ ज्यादा ही आदेश, दबाव और धक्का-मुक्की हो रही है।

केरी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारत और अमेरिका मिलकर व्यापार विवाद सुलझा लेंगे। भारत ने स्पष्ट रूप से बेहतर पेशकश की है। पीएम मोदी और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल हमारे मित्र हैं। भारत ने कई अमेरिकी आयातों पर शून्य पेशकश की है, यह एक बड़ा

बदलाव है।

ये अधिकारी भी जता चुके चिंता

इससे पहले व्हाइट हाउस के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी जॉन बोल्टन ने कहा था कि ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने पर भारत पर टैरिफ लगाए, लेकिन चीन पर नहीं लगाए जो रूस से काफी ज्यादा तेल खरीदता है, तो इससे भारत को शायद चीन-रूस के गठबंधन की ओर धकेल दिया गया। ट्रंप प्रशासन की यह रणनीतिक चूक अनावश्यक गलती है। अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञ और पूर्व अमेरिकी व्यापार अधिकारी क्रिस्टोफर पैडिला ने भी चेतावनी दी थी कि टैरिफ से भारत-अमेरिका संबंधों को नुकसान पहुंचने का खतरा हो सकता है। उन्हें डर था कि इससे बाद में यह सवाल उठ सकता है कि क्या अमेरिका एक विश्वसनीय साझेदार है, क्योंकि ये टैरिफ हमेशा के लिए याद रह जाएंगे।

अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफरी सैक्स ने भी भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के ट्रंप के कदम की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ब्रिक्स के महान एकीकरणकर्ता हैं। उन्होंने टैरिफ को अमेरिकी विदेश नीति में सबसे मूर्खतापूर्ण रणनीतिक कदम कहा।

लीबिया में मालिक ने मजदूर पर छोड़ा खूंखार शेर

त्रिपोली, एजेंसी। उत्तरी अफ्रीकी देश लीबिया में हाल ही में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक खेत मालिक ने अपने पालतू शेर को एक मिस्री मज़दूर पर छोड़ दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद लीबिया और मिस्र के लोग गुस्से से भड़क उठे। आरोपी मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। 30 सेकंड के इस वायरल वीडियो में एक शेर को एक व्यक्ति पर हमला करते देखा जा सकता है। इस दौरान शेर कई बार उस व्यक्ति को काटने की कोशिश करता है, लेकिन वह शांत रहकर खुद को बचाने की कोशिश करता रहता है। बताया जा रहा है कि कुछ देर तक चली जद्दोजहद के बाद, व्यक्ति ने किसी तरह खुद को शेर के चंगुल से बचाया।

मलिका ने कहा- यह एक शरारत थी

गल्फ न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी खेत मालिक ने इस घटना को शरारत बताया, लेकिन सरकारी वकील ने इसे सत्ता का गंभीर दुरुपयोग और जन सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया है।

तुरंत सज़ा की मांग उठी

सोशल मीडिया पर इस वीडियो के आते ही नेटिज़न्स गुस्से से भर गए। एक यूज़र ने इसे मानव जीवन के साथ खिलवाड़ बताया और आरोपी को तुरंत सज़ा देने की मांग की। वहीं, कई लोगों ने शेर के हमले के बावजूद मज़दूर के शांत रहने पर आश्चर्य जताया, लेकिन यह भी कहा कि स्थिति कभी भी ख़तरनाक हो सकती थी।

खेत मालिक पर कई गंभीर आरोप

पुलिस ने खेत मालिक पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं, जिनमें मानव जीवन को ख़तरे में डालना, दहशत फैलाना और मनोवैज्ञानिक व सामाजिक नुकसान पहुँचाना शामिल है। उन पर धार्मिक और नागरिक क़ानूनों का उल्लंघन करने का भी आरोप है।

ईरान के हमले पर रिपोर्ट से नाराज थे ट्रंप, रक्षा मंत्री ने खुफिया अफसर जेफरी को बर्खास्त किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने लेफ्टिनेंट जनरल जेफरी क्रूस को बर्खास्त कर दिया है। क्योंकि उनकी एजेंसी के अमेरिकी हमलों से ईरान के परमाणु ठिकानों को हुए नुकसान के शुरुआती खुफिया आकलन से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नाराज थे। पीट हेगसेथ के इस फैसले से परिचित दो लोगों ने इस संबंध में जानकारी दी।

हेगसेथ द्वारा बर्खास्त करने के बाद अब क्रूस अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी के प्रमुख नहीं रहेंगे। दोनों लोगों ने यह जानकारी नाम न छापने की शर्त पर दी, क्योंकि उन्हें इस बारे में सार्वजनिक रूप से बोलने का अधिकार नहीं था। क्रूस की ओर से ईरान पर परमाणु हमलों के बाद कहा गया था कि तेहरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। जबकि राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप कह रहे थे कि हमलों से ईरान के परमाणु ठिकाने पूरी तरह से तबाह हो गए।

एक अधिकारी ने बताया कि क्रूस अब अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) के निदेशक के तौर पर काम नहीं कर सकेंगे। डीआईए के निदेशक बनने से पहले क्रूस राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के सैन्य मामलों के सलाहकार रह चुके हैं। उन्होंने इस्लामिक स्टेट जिहादी समूह के खिलाफ गठबंधन के लिए खुफिया निदेशक, अमेरिकी यूरोपीय कमान के प्रमुख के वरिष्ठ विशेष सलाहकार जैसे पदों पर भी काम किया है।डीआईए की रिपोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर सवाल खड़े किए थे। इसे लेकर रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा था कि रिपोर्ट जानबूझकर लीक की गई थी, ताकि यह दिखाया जा सके कि हमला सफल नहीं हुआ है। ट्रंप जनवरी में कार्यभार संभालने के बाद से अब तक कई शीर्ष सैन्य अधिकारियों को बर्खास्त कर चुके हैं। इसमें ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल चार्ल्स सीक्यू ब्राउन समेत नौसेना और तटरक्षक बल के प्रमुख, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख जनरल, वायु सेना के उप-प्रमुख, नाटो में नियुक्त नौसेना के एडमिरल और तीन शीर्ष सैन्य वकील शामिल हैं। हाल ही में सेना के चीफ ऑफ स्टाफ ने भी बिना किसी स्पष्टीकरण के अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा कर दी।

बांग्लादेश में मीडिया पर शिकंजा: हसीना के बयानों को प्रसारित न करने की चेतावनी, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को मीडिया संस्थानों को अवामी लीग की नेता व अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के किसी भी बयान का प्रसारण या प्रकाशन न करने की चेतावनी दी है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के प्रेस विंग ने कहा, हम हसीना की बातों और बयानों को फैलाने वाले और भविष्य में ऐसा करने की मंशा रखने वाले मीडिया को चेता रहे हैं कि हम उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

उन्होंने कहा, टेलीविजन चैनलों, समाचार और ऑनलाइन पोर्टलों पर हसीना के ऑडियो चलाना आतंकवाद विरोधी कानून 2009 का उल्लंघन है। इसमें हसीना को एक दोषी अपराधी व सामूहिक हत्याओं और मानवता के खिलाफ अपराधों का भगोड़ा आरोपी बताया गया है। हसीना को को पांच अगस्त 2024 को सड़क आंदोलनों के बाद सत्ता से हटाया गया था। वे इस समय अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में कई केस का सामना कर रही हैं, हालांकि अभी सजा नहीं हुई है।

पिछले साल अवामी लीग की गिर गई थी सरकार : गौरतलब है कि बीते साल जुलाई 2024 में हुए जनविद्रोह के बाद शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। इस जनविद्रोह में बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया था। अंततः 5 अगस्त 2024 को हसीना सरकार गिर गई और वह भारत चली गई।

इसके बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार ने देश में लोकतांत्रिक माहौल बहाल करने का वादा किया था। पिछले कई महीनों से बांग्लादेश में राजनीतिक दल नए सिरे से आम चुनाव कराने की मांग कर रहे थे।

मुहम्मद यूनुस ने फरवरी 2026 में चुनाव की घोषणा की : बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने घोषणा की थी कि देश में फरवरी 2026 में आम चुनाव होंगे। यह घोषणा 5 अगस्त को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से बेदखल होने की पहली वर्षगांठ के अवसर पर की गई थी।

चेतेश्वर पुजारा क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से रिटायर

दो साल से टीम से बाहर थे; सोशल मीडिया पर लिखा- हर अच्छी चीज का अंत होता है

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। वह लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चले रहे थे। अब उन्होंने सुनहरे करियर को अलविदा कह दिया है। भारतीय टीम में उनकी जगह कई युवा प्लेयर्स अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

पुजारा ने खुद दी संन्यास की जानकारी

चेतेश्वर पुजारा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि भारतीय जर्सी पहनना, राष्ट्रगान गाना और हर बार मैदान पर कदम रखते ही पूरी कोशिश करना। इस सबका मतलब शब्दों में बयां करना नामुमकिन है। जैसा कहते हैं कि हर चीज का अंत होना ही होता है, तो मैं भारतीय क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने का फैसला किया है।

पुजारा ने साल 2010 में टेस्ट में किया डेब्यू

चेतेश्वर पुजारा ने भारतीय टेस्ट टीम के लिए साल 2010 में डेब्यू ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया था। इसके बाद से अच्छे प्रदर्शन के दम पर वह भारतीय टीम का अभिन्न अंग बन गए। राहुल द्रविड़ के बाद उन्हें टेस्ट की दीवार बुलाया जाने लगा। उनके पास क्रीज पर टिकने की गजब काबिलियत मौजूद थी। उनकी तकनीक बहुत ही मजबूत थी और गेंदबाज उनके डिफेंस जल्दी से भेद नहीं पाते थे।

टेस्ट करियर में बनाए कुल 7195 रन

चेतेश्वर पुजारा ने साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में आखिरी मैच खेला था। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर थे। उन्होंने अभी तक भारतीय टीम के लिए 103 टेस्ट मैचों में कुल 7195 रन बनाए, जिसमें उनके बल्ले से 19 शतक और 35 अर्धशतक शामिल रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने भारत के लिए 5 वनडे मैच भी खेले है, जिसमें उन्होंने कुल 51 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया में भारत को जिताई थी सीरीज

भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी की धरती पर 2-1 से अपने नाम की थी। उसमें चेतेश्वर पुजारा ने भारतीय टीम को सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। तब उन्होंने दमदार बल्लेबाजी की थी और सीरीज में कुल 521 रन बनाए थे। अच्छे खेल के लिए उन्हें प्लेयर द सीरीज का अवॉर्ड मिला था।

सुप्रीम कोर्ट बोला-28 अगस्त तक फुटबॉल विवाद का समाधान निकालें

नेशनल फेडरेशन और स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड के बीच राइट्स पर मतभेद

इससे आईएसएल रद्द हुआ

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड से विवाद सुलझाने को कहा है। दोनों संस्थान के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट से जुड़ी समस्या चल रही हैं।

इसी वजह से इस सीजन इंडियन सुपर लीग अब तक नहीं खेली गई हैं। लीग के 11 क्लबों ने एआईएफएफ को लिखकर बताया है कि वे बंद होने की कगार पर हैं।

जस्टिस पी. एस. नरसिम्हा और जॉयमल्या बागची की बेंच ने शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए एआईएफएफ और एफएसडीएल को निर्देश दिया कि वे आपस में चर्चा करें और 28 अगस्त (अगली सुनवाई की तारीख) तक कोई समाधान निकालें।

आईएसएल के 2025-26 सीजन को इसलिए रोका गया है क्योंकि ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन और आयोजनकर्ता कंपनी फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट का नया एग्रीमेंट नहीं हुआ है।

2010 में 15 साल का एग्रीमेंट हुआ था

एफएसडीएल और एआईएफएफ के बीच 15 साल का समझौता 2010 में हुआ था, जिसके तहत एफएसडीएल हर साल एआईएफएफ को 50 करोड़ रुपए देता है और बदले में उसे भारतीय फुटबॉल (आईएसएल और राष्ट्रीय टीम सहित) का प्रसारण, प्रबंधन और प्रचार का अधिकार मिला है।

आईएसएल के रुकने पर

15 जुलाई को सुनील छेत्री ने पोस्ट किया था

11 आईएसएल क्लबों ने एआईएफएफ को चेतावनी दी है कि अगर यह विवाद जल्द हल नहीं हुआ, तो वे पूरी तरह बंद होने की स्थिति में आ सकते हैं। क्लबों ने पिछले हफ्ते एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को पत्र लिखकर कहा कि एमआरए (मास्टर राइट्स एग्रीमेंट) के नवीनीकरण न होने से पैदा हुआ संकट ने भारत में प्रोफेशनल फुटबॉल को लगभग बंद करा दिया है।

क्लबों ने लिखा, पिछले 11 वर्षों में लगातार निवेश और संयुक्त प्रयास से क्लबों ने युवा विकास प्रणाली, ट्रेनिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और प्रोफेशनल टीमें बनाई हैं, जिससे भारतीय फुटबॉल की साख देश और विदेश दोनों जगह बढ़ी है।

उन्होंने आगे कहा, अब यह डेवलपमेंट गिरने के खतरे में है। मौजूदा रुकावट ने गंभीर नतीजे दिए हैं। संचालन ठप है और लीग के जारी रहने की कोई गारंटी नहीं है, ऐसे में कई क्लब पूरी तरह बंद होने की कगार पर हैं।

आईएसएल के 11 क्लब कौन से हैं?

इंडियन सुपर लीग में 11 क्लब- बेंगलुरु एफसी, हैदराबाद एफसी, ओडिशा एफसी, चेन्नईयिन एफसी, जमशेदपुर एफसी, एफसी गोवा, केरल ब्लास्टर्स एफसी, पंजाब एफसी, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी, मुंबई सिटी एफसी और मोहम्मडन स्पोर्टिंग। कोलकाता के दिग्गज क्लब मोहन बागान सुपर जाइंट और ईस्ट बंगाल भी आईएलएल खेलते हैं।

दिग्गज खिलाड़ी मारिया शारापोवा टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल, ब्रायन बंधु भी सूची में

न्यूपोर्ट, 25 अगस्त (एजेंसियां)। अपने जमाने की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी मारिया शारापोवा तथा युगल में अपनी विशेष छाप छोड़ने वाले ब्रायन बंधु माइक और बॉब को अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। इस अवसर पर 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स भी उपस्थित थी। उन्होंने अपनी पूर्व प्रतिद्वंद्वी, पूर्व प्रशंसक और सहेली शारापोवा का परिचय कराया। सेरेना 2027 में टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने की पात्र होगी।

सेरेना ने कहा, 'मेरे करियर में कुछ ही खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने मुझे हर बार कोर्ट पर उतरते ही सर्वश्रेष्ठ बनने की चुनौती दी। मारिया शारापोवा उनमें से एक थीं। जब भी मैंने ड्रॉ में अपने नाम के बगल में उनका नाम देखा, तो मैंने और कड़ा अभ्यास किया।' इस अवसर पर शारापोवा ने कहा, 'आपके आसपास किसी ऐसे खिलाड़ी का होना वरदान से कम नहीं है जो आपको चरम पर पहुंचने के लिए प्रेरित करे। सेरेना ने मुझे हमेशा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया और इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करती हूं।'

विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचने वाली रूस की पहली महिला खिलाड़ी और करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाली दस महिला खिलाड़ियों में से एक शारापोवा को अमेरिका के जुड़वा भाईयों माइक और बॉब ब्रायन के साथ टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया।

इस मौके पर हॉल ऑफ फेमर्स मार्टिना नवरातिलोवा, जिम कूरियर, स्टेन स्मिथ और एंडी रॉडिक भी अपने नीले हॉल ऑफ फेम ब्लेजर पहने हुए दर्शकों में शामिल थे। शारापोवा और ब्रायन बंधुओं को एक कास्ट टेनिस रैकेट भी दिया गया, जो हॉल ऑफ़ फ़ेम की ओर से शामिल होने वालों के लिए नया उपहार है।

10 चौके-छक्के ठोक काइरन पोलार्ड ने शाहरूख खान की टीम को दिलाई दूसरी जीत

टूर्नामेंट में ठोकी पहली फिफ्टी

खेल डेस्क, 25 अगस्त (एजेंसियां)। कैरेबियन प्रीमियर लीग (CPL) 2025 में बॉलीवुड के बादशाह शाहरूख खान की टीम ने दूसरी जीत दर्ज की है. टीम के ऑलराउंडर काइरन पोलार्ड की तेज अर्धशतक और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने सेंट लुसिया किंग्स पर 18 रनों से शानदार जीत दर्ज की. इस सीजन में नाइट राइडर्स की ये तीन मैचों में दूसरी जीत है और वो पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर मौजूद है. इससे पहले नाइट राइडर्स ने अपने पहले मुकाबले में सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स को 12 रनों से हराया था. दूसरे मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा था.

काइरन पोलार्ड ने ठोकी फिफ्टी

CPL 2025 के 10वें मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 183 रन बनाए. टीम की ओर से दिग्गज ऑलराउंडर काइरन पोलार्ड ने सबसे ज्यादा रन बनाए. उन्होंने केवल 29 गेंदों में 4 चौके और 6 छक्कों की मदद से 65 रनों की तेज पारी खेली. पोलार्ड ने इस सीजन में पहला अर्धशतक लगाया है.

उनके अलावा सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 30 गेंदों में 5 चौके और 1 छक्का की मदद से 43 रन बनाए. कप्तान निकोलस पूरन ने 30 गेंदों में 1 चौका और 2 छक्कों की मदद से 34 रनों की पारी खेली. सेंट लुसिया किंग की ओर से कीऑन गैस्टन ने सबसे ज्यादा दो विकेट हासिल किए. ओशाने थॉमस, कप्तान डेविड विसे, रॉस्टन चेज और तबरेज शम्सी को एक-एक विकेट मिला. लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट लुसिया किंग्स की टीम अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाई.

अच्छी शुरुआत के बाद लड़खड़ाई सेंट लुसिया की टीम

184 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट लुसिया किंग्स की टीम ने अच्छी शुरुआत की. सलामी बल्लेबाज टिम साइफर्ट और जॉनसन चार्ल्स ने पहले विकेट के लिए 51 गेंदों में 74 रन जोड़ लिए. साइफर्ट के आउट होते ही टीम की पारी लड़खड़ा गई. साइफर्ट ने 24 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 35 रन बनाए.

जॉनसन चार्ल्स ने 37 गेंदों में 4 चौके और 3 छक्कों की मदद से 47 रनों की पारी खेली. डेलानो पोटगीटर ने 21 गेंदों में 24 रन बनाए. नाइट राइडर्स की ओर से आंद्रे रसेल और उस्मान तारिक ने दो-दो विकेट हासिल किए. मोहम्मद आमेर और अकील हुसैन को एक-एक विकेट मिला.

साउथ अफ्रीका को मिली वनडे की सबसे बड़ी हार

431 रन बनाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने सस्ते में समेटा

मेलबोर्न, 25 अगस्त (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका को अपने वनडे इतिहास की सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी है। ऑस्ट्रेलिया ने वनडे सीरीज में हारने के बाद आखिरी मुकाबले को 276 रनों से अपने नाम कर लिया। यह रनों से ऑस्ट्रेलिया की दूसरी सबसे बड़ी जीत है। मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले खेलते हुए 2 विकेट पर 431 रन ठोक दिए। जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम इतने बड़े स्कोर का प्रेशन नहीं झेल पाए। 25वें ओवर में टीम की पारी 155 रनों पर सिमट गई। हालांकि 3 मैचों की वनडे सीरीज को साउथ अफ्रीका ने 2-1 से अपने नाम किया।

साउथ अफ्रीका की वनडे में रनों से सबसे बड़ी हार

276 बनाम ऑस्ट्रेलिया, मैके (2025)
243 बनाम भारत, ईडन गार्डन्स (2023)
182 बनाम पाकिस्तान, ग्वाटेमाला (2002)
180 बनाम श्रीलंका, कोलंबो (2013)

वनडे में ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी जीत का अंतर

309 बनाम नीदरलैंड, दिल्ली, 2023
276 बनाम दक्षिण अफ्रीका, मैके, 2025
275 बनाम अफगानिस्तान, वाका, 2015
256 बनाम नामीबिया, पोटचेफस्ट्रूम, 2003

ऑस्ट्रेलिया के तीन बल्लेबाजों का शतक

ऑस्ट्रेलिया के लिए सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड और मिचेल मार्श ने पहले विकेट के लिए 250 रनों की साझेदारी की। दोनों ही बल्लेबाजों शतक ठोका। मार्श ने 106 गेंदों पर 6 चौके और 5 छक्कों की मदद से 100 रन बनाए। वहीं ट्रेविस हेड ने सिर्फ 103 गेंद पर 142 रनों की पारी खेली। हेड ने 17 चौकों के अलावा 5 छक्के मारे। तीसरे नंबर पर उतरे कैमरून ग्रीन ने सिर्फ 47 गेंद पर शतक लगाया। यह वनडे में ऑस्ट्रेलिया के किसी बल्लेबाज का दूसरा सबसे तेज शतक है। 8 छक्के और 6 चौकों की मदद से 55 गेंद पर ग्रीन ने 118 रनों की पारी खेली। एलेक्स कैरी ने नाबाद 50 रन बनाए।

कूपर कोनोली ने 5 विकेट झटके

साउथ अफ्रीका की शुरुआत खराब रही। एडेन मार्करम सिर्फ 2 रन बनाकर सीन एबॉट की गेंद पर आउट हो गए। दूसरे सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन 11 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान टेम्बा बावुमा 19 रन ही बना सके। साउथ अफ्रीका के लिए सबसे बड़ी पारी डेवाल्ड ब्रेविस ने सबसे ज्यादा 49 रन बनाए। उन्होंने 28 गेंद पर 2 चौके और 5 छक्के मारे। 24.5 ओवर में टीम की पारी सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए बाएं हाथ के स्पिनर कूपर कोनोली ने 22 रन देकर 5 विकेट लिए। जेवियर बार्टलेट और सीन एबॉट ने 2-2 विकेट लिए।

साउथ अफ्रीका में होंगे वनडे वर्ल्डकप के 44 मैच

नामीबिया-जिम्बाब्वे में 10 मुकाबले; सीएसए ने 8 शहरों का ऐलान किया

खेल डेस्क 25 अगस्त (एजेंसियां)। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के 8 वैन्यू डिसाइड कर दिए हैं। इसके अनुसार, वर्ल्ड कप के 44 मुकाबले साउथ अफ्रीका के 8 शहरों में खेले जाएंगे, जबकि 10 मैचों का आयोजन नामीबिया-जिम्बाब्वे में होगा। साउथ अफ्रीका में होने वाले मुकाबले जोहान्सबर्ग, प्रिटोरिया, केप टाउन, डरबन, ग्केबरहा, ब्लोएमफोंटेन, ईस्ट लंदन और पार्ल में खेले जाएंगे।

सीएसए ने टूर्नामेंट के आयोजन के लिए एक स्थानीय कमेटी का गठन भी किया है। वनडे वर्ल्ड कप का पिछला खिताब ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। कंगारु टीम ने 19 नवंबर 2023 में अहमदाबाद में खेले गए फाइनल मुकाबले में मेजबान भारत को 6 विकेट से हराया था।

5 आईसीसी टूर्नामेंट होस्ट कर चुका है साउथ अफ्रीका

साउथ अफ्रीका ने चैंपियंस ट्रॉफी 2009, पहला टी20 वर्ल्ड कप 2007 और 2003 में वनडे वर्ल्ड कप को होस्ट किया है। इसके अलावा, साउथ अफ्रीका ने दो महिला वर्ल्ड कप भी सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं। 2005 का 50 ओवर वर्ल्ड कप और 2023 का टी20 वर्ल्ड कप, जिसमें प्रोटियाज टीम फाइनल तक पहुंची थी लेकिन ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी।

सीएसए ने 2027 वर्ल्ड कप कमेटी बनाई

साउथ अफ्रीका के पूर्व वित्त मंत्री ट्रेवर मैनुअल को 2027 क्रिकेट वर्ल्ड कप की लोकल ऑर्गनाइजिंग कमेटी का प्रमुख बनाया गया है। सीएसए की चेयरपर्सन पर्ल माफोशे ने कहा, सीएसए की सोच है कि हम एक ऐसा ग्लोबल और प्रेरणादायक इवेंट आयोजित करें, जो साउथ अफ्रीका की एकजुटता को दर्शाएगा।

नामीबिया को जगह बनाने के लिए क्वालिफायर खेलना होगा

साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे की टीम मेजबान के तौर पर पहले से ही टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं, हालांकि नामीबिया को जगह बनाने के लिए अफ्रीकी क्वालिफायर से गुजरना होगा। बाकी टीमें आईसीसी वनडे रैंकिंग से तय होंगी। टॉप 8 टीमें सीधे क्वालिफाई करेंगी, जबकि आखिरी 4 देश ग्लोबल क्वालिफायर से मिलेंगे।

टूर्नामेंट में 14 टीमें हिस्सा लेंगी

टूर्नामेंट दो ग्रुप्स में खेला जाएगा, प्रत्येक ग्रुप में 7 टीमें होंगी। ग्रुप स्टेज में हर टीम अपने ग्रुप की बाकी सभी टीमों से मैच खेलेगी। हर ग्रुप की टॉप तीन टीमें सुपर सिक्स राउंड में जाएंगी। इसके बाद टॉप टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी। आखिर में फाइनल के जरिए नए चैंपियन का फैसला होगा।

डूरंड कप फुटबॉल-नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड लगातार दूसरी बार चैंपियन बना: *डायमंड हार्बर को 6-1 से हराया*

1.21 करोड़ रुपए ईनाम मिला

कोलकाता, 25 अगस्त (एजेंसियां)। नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड ने 137 साल पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट में डूरंड कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने खेले गए फाइनल मुकाबले में डायमंड हार्बर को 6-1 से हराया। नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड पिछले सीजन में भी चैंपियन बनी थी।

कोलकाता के साल्टलेक स्टेडियम में डिफेंडिंग चैंपियन की ओर से 6 गोल आए, जबकि इस टूर्नामेंट में डेब्यू कर रही डायमंड हार्बर की टीम एक गोल ही कर सकी। नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड को रिकॉर्ड 1.21 करोड़ रुपए की ईनामी राशि मिली। जो एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट के 134 एडिशन में सबसे ज्यादा है।

टूर्नामेंट में फाइनल की सबसे बड़ी जीत

नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड की टीम ने डूरंट कप के इतिहास में फाइनल की सबसे बड़ी जीत हासिल की है। टीम ने मैच के पहले हाफ में ही 2 गोल की बढ़त हासिल कर ली थी। 30वें मिनट में अशीर अख्तर ने पहला गोल दागा, जबकि 46 वें मिनट में प्रतीब गोगोई के गोल से नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी 2-0 से आगे हो गया।

दूसरा हाफ शुरू होते ही (51वीं मिनट में) थोई सिंह ने एक और गोल कर अपनी टीम को 3-0 से आगे कर दिया। डायमंड हार्बर की ओर से एक मात्र गोल दूसरे हाफ के 60वें मिनट में लुका ने किया। फिर 80वें मिनट में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी जाइरो ने गोल कीपर को छकाते हुए शानदार गोल किया। इसके कुछ ही अंतर बाद 82वें मिनट में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी आंद्रेस जो ने एक और शानदार गोल करके टीम को 5-1 में पहुंचा दिया।

विश्व तीरंदाजी युवा चैम्पियनशिप में तनीपर्थी चिकिथा ने जीता स्वर्ण पदक

पेद्दापल्ली, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली जिले के तीरंदाजी खिलाड़ी तनीपर्थी चिकिथा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने 19 से 26 अगस्त तक कनाडा में आयोजित विन्निपेग 2025 विश्व तीरंदाजी युवा चैम्पियनशिप में कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में पदक जीता। शनिवार रात फाइनल में, चिकिथा ने पार्क येरिन को 142-136 के स्कोर से हराकर व्यक्तिगत जूनियर विश्व खिताब जीता। इस जीत के साथ, वह जूनियर विश्व खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाज बन गईं। उनके परिवार और रिश्तेदारों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी उपलब्धि पर खुशी व्यक्त की। एलीगेडु मंडल के सुल्तानपुर निवासी चिकिथा पहले ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई पदक जीत चुकी हैं।

खेलो इंडिया जल क्रीड़ा महोत्सव: 10 स्वर्ण पदकों के साथ मध्य प्रदेश का दबदबा

श्रीनगर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश ने डल झील पर आयोजित खेलो इंडिया जल क्रीड़ा महोत्सव (केआईडब्ल्यूएसएफ) के शुरुआती सत्र में छह स्वर्ण पदक जीत कर अपना दबदबा कायम रखा। मध्य प्रदेश के नाम अब 10 स्वर्ण के साथ 18 पदक हो गए हैं। ओडिशा के जगतपुर स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र और अलप्पुझा स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में प्रशिक्षण लेने वाले अपने खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के दम पर ओडिशा और केरल क्रमशः 10 और सात पदकों के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

ओडिशा ने चार स्वर्ण, पांच रजत और एक कांस्य पदक जीता जबकि केरल ने तीन स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक जीते। मध्य प्रदेश के जल क्रीड़ा खिलाड़ियों के लिए यह एक और शानदार दिन रहा क्योंकि उन्होंने कयाकिंग और कैनोइंग में छह और स्वर्ण पदक अपने नाम किए। शिखा चौहान, रीना सेन और पल्लवी जगताप की प्रसिद्ध तिकड़ी ने मध्य प्रदेश के लिए दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीते। इंदौर की शिखा ने कयाकिंग एकल स्लैलम में स्वर्ण पदक जीता, जबकि देवास की 12वीं कक्षा की छात्रा पल्लवी ने सी1 स्लैलम स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया।

मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने तीन रजत और पांच कांस्य पदक भी जीते।ओडिशा की रश्मिता साहू ने अचोइबम सनातंबी देवी के साथ महिला सी2 500 मीटर स्प्रिंट पेयरिंग में पहले स्थान के साथ इस प्रतियोगिता में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दिल्ली का प्रतिनिधित्व करने वाले टोक्यो ओलंपियन अर्जुन लाल जाट को पुरुषों की 1000 मीटर सिंगल स्कल में ओडिशा के अविराज ने पछाड़ दिया। अविराज (3.37.54 सेकंड) ने कड़े मुकाबले में स्वर्ण पदक जीता जबकि अर्जुन 3.28.68 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

हरतालिका तीज पर राशि अनुसार करें ये उपाय बन जाएंगे बिगड़े काम !

सनातन धर्म में करवा चौथ, हरियाली तीज और हरतालिका तीज का विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र की कामना के लिए व्रत रखती हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। इस वर्ष 26 अगस्त को हरतालिका तीज का व्रत रखा जाएगा। हिंदू धार्मिक मान्यता के अनुसार, हरतालिका तीज पर भगवान शंकर और माता पार्वती की विधि-विधान पूर्वक पूजा की जाती है। पति की लंबी उम्र के लिए भगवान शंकर और माता पार्वती के निमित्त व्रत रखा जाता है। अगर आप अपने रिश्ते में प्रेम, विश्वास और दांपत्य जीवन को मधुर बनाना चाहते हैं, तो हरतालिका तीज के दिन ज्योतिष शास्त्र द्वारा बताए गए राशि के अनुसार कुछ खास उपाय अवश्य करने चाहिए। हरतालिका तीज का व्रत सबसे पहले माता पार्वती ने भगवान शंकर के लिए रखा था। तभी से यह व्रत सुहागन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए और कुंवारी कन्याएं अच्छा वर प्राप्त करने के लिए करती हैं। इस दिन ज्योतिष शास्त्र द्वारा अगर आप अपनी राशि के अनुसार कुछ खास उपाय करते हैं, तो वैवाहिक जीवन सुखी रहता है।

मेष राशि : मेष राशि के जातकों को हरतालिका तीज पर भगवान शंकर के शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए और गंगाजल से अभिषेक करना चाहिए।

वृषभ राशि : वृषभ राशि के जातकों को भगवान शंकर के शिवलिंग पर कच्चा दूध अर्पित करना चाहिए।

कन्या राशि : कन्या राशि के जातकों को इस दिन गरीब और जरूरतमंद लोगों को धन का दान करना चाहिए।

तुला राशि : तुला राशि के लोगों को पंचामृत से भगवान शंकर के शिवलिंग का जलाभिषेक करना चाहिए।

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि के जातकों को हरतालिका तीज के दिन पशु-पक्षियों को भोजन खिलाना चाहिए।

मिथुन राशि : मिथुन राशि के जातकों को हरतालिका तीज के दिन देवी पार्वती को हरे रंग की चूड़ी अर्पित करनी चाहिए।

कर्क राशि : कर्क राशि के जातकों को हरतालिका तीज के दिन चंद्रमा को अर्घ्य देना चाहिए।

सिंह राशि : सिंह राशि के जातकों को हरतालिका तीज के दिन महादेव की विधि-विधान पूर्वक पूजा करनी चाहिए।

धनु राशि : धनु राशि के जातकों को इस दिन पूरे विधि-विधान से माता पार्वती और भगवान शंकर की उपासना करनी चाहिए और दान-दक्षिणा देनी चाहिए।

मकर राशि : मकर राशि के जातकों को इस दिन शिवलिंग पर काले तिल अर्पित करना चाहिए।

कुंभ राशि : कुंभ राशि के जातकों को इस दिन हरी चीजों का दान करना चाहिए।

मीन राशि : मीन राशि के जातकों को हरतालिका तीज के दिन व्रत और कथा का पाठ करना चाहिए।

गणपति जी की सूंड किस दिशा में होने का क्या होता है अर्थ

धर्म, गणपति जी विराजमान होने वाले हैं। इसके लिए कई लोग उनको विराजमान करने के लिए उनकी मूर्तियां लेकर आएंगे।

कोई छोटी तो कोई बड़ी। हम में से कई लोगों ने ध्यान दिया होगा, गणपति जी की मूर्ति या तस्वीर में उनकी नाक अलग-अलग दिशा में होती है। उनकी नाक किस दिशा (बाएँ या दाएँ) में मुड़ी हुई है। यह वास्तु और पूजा-पद्धति के अनुसार बहुत महत्त्व रखता है।

गणपति जी की सूंड (नाक) की दिशा और उसका अर्थ

बाई ओर मुड़ी हुई सूंड

इसे वामांगी गणपति कहा जाता है।

यह सूंड गणपति जी के बाईं ओर मुड़ी होती है (आपके दृष्टिकोण से देखेंगे तो दाईं ओर)।

यह स्वरूप शांत, सौम्य और गृहस्थ जीवन के लिए शुभ माना जाता है।

घर, ऑफिस, दुकान आदि में पूजा के लिए यह सबसे उपयुक्त स्वरूप है।

इसे नियमित पूजा की आवश्यकता नहीं होती, केवल श्रद्धा और नियमों से पूजा करें।

सामान्य पूजा के लिए उपयुक्त

दाई ओर मुड़ी हुई सूंड

इसे दक्षिणमुखी गणपति कहते हैं।

यह सूंड गणपति जी के दाईं ओर मुड़ी होती है (आपके देखने पर बाईं ओर दिखेगी)।

यह रूप ऊर्जा, शक्ति और तंत्र साधना से जुड़ा होता है।

इसे बहुत शक्तिशाली माना जाता है और इसके लिए विशेष विधि-विधान से पूजा करनी होती है।

अगर पूजा में गलती हो जाए, तो इसका उल्टा असर भी हो सकता है।

इस तरह की प्रतिमा का उपयोग खास अवसरों पर पंडित द्वारा पूजा कराने के लिए करते हैं।

सीधी (मध्य) सूंड

कुछ गणपति की मूर्तियों में सूंड सीधी नीचे की ओर होती है।

इसे बहुत दुर्लभ और विशेष फलदायी माना जाता है।

यह संतुलन और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक है।

निष्कर्षः

घर में बाईं ओर मुड़ी हुई सूंड वाले गणपति जी रखना सबसे शुभ और सुरक्षित माने जाते हैं।

पूजा आसान होती है और यह सुख-शांति, समृद्धि और बुद्धि का प्रतीक है।

कर्नाटक के बेलगावी में गणेश चतुर्थी की अनूठी परंपरा

देश में गणेश चतुर्थी को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। 27 अगस्त से गणेश उत्सव की शुरुआत होगी, जो 6 सितंबर तक चलेगा। कर्नाटक, महाराष्ट्र और गोवा की सीमा से जुड़ा बेलगावी जिला गणेश उत्सव को बेहद धूमधाम से मनाने के लिए जाना जाता है। उत्सव को खास बनाती है वो परंपरा जो वर्षों से निभाई जा रही है। यहां 'एक गांव, एक गणेश' के सिद्धांत पर बप्पा को पूजा जाता है।

'एक गांव, एक गणेश'

कर्नाटक के बेलगावी में भी पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र की तरह ही हर साल गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। बेलगावी शहर की हर गली, हर घर में, सार्वजनिक और निजी तौर पर गणेश प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं, लेकिन इसी जिले में खानापुर तालुका में नंदगढ़ गांव है, जहां सिर्फ एक ही गणेश प्रतिमा स्थापित की जाती है। खास बात है कि इसमें सिर्फ हिंदू नहीं, बल्कि दूसरे समुदाय के लोग भी गणेश उत्सव मनाते हैं।

1944 से जारी है परंपरा

साल 1944 से हर वर्ष एक ही सार्वजनिक गणेश प्रतिमा स्थापित की जाती है। इस गांव ने यह साबित कर दिया है कि हिंदू और मुस्लिम एकता में ही शक्ति है, पूरे गांव के लिए एक ही गणेश प्रतिमा स्थापित कर एकता की अनूठी मिसाल पेश की है।

11 दिनों तक, गांव के सभी लोग एक साथ मिलकर पूजा और 'गणेश पूजा' करते हैं। हर दिन एक सांस्कृतिक कार्यक्रम होता है। सभी जातियों और समुदायों के लोग मिलकर गणेश उत्सव मनाते हैं और 11वें दिन विसर्जन करते हैं।

गणेश समिति के एक सदस्य ने बताया कि कहा, "हम कई साल से 'एक गांव, एक गणेश' का संदेश दे रहे हैं, ताकि सबको यह महसूस हो कि हम एक हैं। इससे गांव की एकता भी मजबूत होती है और फिजूलखर्ची से भी बचा जा सकता है। पूरे गांव के लिए एक ही गणेश प्रतिमा की स्थापना एक बेहतरीन परंपरा है।"

हमारी बहुत सी दुविधाएं उसी समय मिट जाती हैं

ग्रंथ जीवंत तीर्थ और देव प्रतिमाओं की तरह हैं। ग्रंथों में देवताओं का संपूर्ण बल समाहित है। ऐसा भी कह सकते हैं कि पुस्तकों में ऐश्वर्य, विभूति, मुग्धता, माधुर्य और अत्यंत सौंदर्य समाया हुआ है। पुस्तकें ज्ञान का भंडार हैं। हमारी बहुत सी दुविधाएं उसी समय मिट जाती हैं, जब हम ज्ञान के साथ जुड़ते हैं। पुस्तकें स्थाई समाधान देती हैं। मनुष्य के सारे भय-भ्रम ग्रंथों और पुस्तकों से दूर हो जाते हैं।

-स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

3 राशियों के लिए शुभ रहेगा 7 सितंबर को लगने वाला पूर्ण चंद्र ग्रहण

साल 2025 का दूसरा और अंतिम चंद्र ग्रहण 7 सितंबर की रात को लगने जा रहा है। यह एक पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा, जो ज्योतिषीय दृष्टि से भी बेहद खास माना जा रहा है। इस ग्रहण का असर सिर्फ आकाश में ही नहीं, बल्कि धरती पर मौजूद हर व्यक्ति के जीवन पर भी पड़ सकता है। खासतौर पर जब ये ग्रहण भारत में दिखाई दे रहा हो, तब इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। लोग मानते हैं कि ग्रहण का समय केवल खगोल विज्ञान की दृष्टि से नहीं, बल्कि अध्यात्म और जीवन की ऊर्जा को भी प्रभावित करता है। इस दिन मंदिरों में विशेष नियम लागू होते हैं और घरों में भी सावधानियां बरती जाती हैं।

कब लगेगा ये चंद्र ग्रहण ?

7 सितंबर 2025 की रात को यह पूर्ण चंद्र ग्रहण शुरू होगा। इसकी शुरुआत रात 9 बजकर 58 मिनट पर होगी और समाप्ति देर रात 1 बजकर 26 मिनट पर मानी जा रही है। इस ग्रहण की अवधि लगभग साढ़े तीन घंटे की होगी।

ज्योतिष गणना के अनुसार, यह ग्रहण कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में घटित होगा। इस दौरान चंद्रमा के साथ राहु उपस्थित रहेगा और चंद्रमा से सप्तम भाव में सूर्य, केतु और बुध रहेंगे। अष्टम भाव में मंगल, छठे में शुक्र, पंचम भाव में बृहस्पति और दूसरे भाव में शनि का स्थान होगा। यह योग ग्रहण को और भी विशेष बनाता है।

क्या भारत में दिखेगा ये ग्रहण ?

हां, यह ग्रहण भारत में साफ तौर पर दिखाई देगा। इसके अलावा यह एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, न्यूजीलैंड, अफ्रीका, अमेरिका के कुछ हिस्सों में भी देखा जा सकेगा। भारत में दिखाई देने की वजह से इसका सूतक काल भी मान्य होगा।

कब से शुरू होगा सूतक काल ?

चूंकि यह पूर्ण चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई देगा, इसलिए इसका सूतक काल मान्य होगा। सूतक काल ग्रहण से ठीक 9 घंटे पहले शुरू हो जाता है।

सूतक की शुरुआतः 7 सितंबर दोपहर 12 बजकर 58 मिनट

सूतक की समाप्तिः 7 सितंबर रात 1 बजकर 26 मिनट (ग्रहण समाप्ति के साथ)

सूतक काल में मंदिरों के कपाट बंद कर दिए जाते हैं और पूजा-पाठ से परहेज़ किया जाता है। गर्भवती महिलाओं और बच्चों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

किन राशियों के लिए शुभ रहेगा ये ग्रहण?

इस बार का चंद्र ग्रहण कुछ राशियों के लिए शुभ संकेत लेकर आया हैः

मिथुन राशिः रुके हुए काम पूरे होंगे, करियर में तरक्की के संकेत हैं।

धनु राशिः आर्थिक लाभ, नए अवसर और पारिवारिक सुख की वृद्धि होगी।

मकर राशिः आत्मविश्वास बढ़ेगा, निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी और मानसिक शांति मिलेगी।

इन राशियों के जातकों को ग्रहण के समय ध्यान और सकारात्मक सोच अपनानी चाहिए, जिससे इस शुभ असर को और बढ़ाया जा सके।

क्या करें और क्या न करें ?

ग्रहण के दौरान क्या करेंः

-मंत्र जाप और ध्यान लगाएं

-पुराने कार्यों की समीक्षा करें

-दान-पुण्य करें, विशेष रूप से अन्न या वस्त्र

क्या न करेंः

-ग्रहण के समय खाना-पीना टालें

-पूजा-पाठ से बचें

-नकारात्मक विचारों से दूर रहें

घर में गणपति की स्थापना के दौरान और बाद में क्या करें और क्या न करें

जब आप गणपति प्रतिमा खरीदने जाएं तो ध्यान रखें कि प्रतिमा शुद्ध मिट्टी की हो. इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होगा और विसर्जन भी आसान होगा.

प्रतिमा खरीदते समय पूर्व दिशा या उत्तर दिशा की ओर मुख वाली प्रतिमा को प्राथमिकता दें.

घर लाने से पहले प्रतिमा को लाल या पीले कपड़े में अच्छे से लपेटकर लाएं. इसे सम्मानपूर्वक घर में प्रवेश दिलाएं, जैसे मानो खुद भगवान पधार रहे हों.

प्रतिमा को घर लाते समय ढोल नगाड़ों, शंख या मंत्रोच्चार के साथ स्वागत करें. इससे वातावरण सकारात्मक हो जाता है.

स्थापना के समय ध्यान रखने योग्य बातें

प्रतिमा की स्थापना उत्तर-पूर्व दिशा या घर के ईशान कोण में करना सबसे शुभ माना जाता है.

प्रतिमा को लकड़ी की चौकी पर लाल या पीले कपड़े बिछाकर स्थापित करें.

स्थापना करते समय एक कलश जरूर रखें, जिसमें जल, सुपारी, आम्रपल्लव और नारियल रखा हो. यह समृद्धि का प्रतीक है.

स्थापना के समय परिवार के सभी सदस्य मौजूद रहें और मंत्रों के साथ आरती करें.

गणपति बप्पा घर में हों तब करने योग्य बातें

रोज सुबह और शाम गणपति बप्पा की आरती करें.

प्रतिमा के सामने ताजे फूल और फल चढ़ाएं.

प्रसाद के रूप में मोदक, लड्डू या गुड़ जरूर चढ़ाएं क्योंकि यह बप्पा का प्रिय भोग है.

घर का वातावरण शांत और सकारात्मक बनाए रखें. कोशिश करें कि घर में झगड़े या नकारात्मक बातें न हों.

हर दिन बप्पा के सामने दिया और धूप जलाएं. इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है.

गणपति बप्पा घर में हों तब न करने योग्य बातें

प्रतिमा को कभी भी जमीन पर न रखें. हमेशा चौकी या पाट पर ही स्थापित करें.

प्रतिमा के सामने जूते-चप्पल पहनकर न जाएं और साफ कपड़ों में ही पूजा करें.

प्रतिमा के आसपास गंदगी या अव्यवस्था न होने दें.

मांस, शराब या नकारात्मक आदतों से दूर रहें.

प्रतिमा को अकेला न छोड़ें. अगर घर में कोई नहीं हो तो कम से कम दीपक जलता रहना चाहिए.

विसर्जन से पहले के नियम

बप्पा को विदा करने से पहले उन्हें उतना ही प्यार और सम्मान दें, जितना स्थापना के समय दिया था.

विसर्जन से पहले 1 या 3, 5 या 11 दिन तक प्रतिमा को घर में रखने की परंपरा है.

विसर्जन से पहले बप्पा को भोग और आरती अर्पित करें.

पर्यावरण का ध्यान रखते हुए प्रतिमा को तालाब या नदी की बजाय कृत्रिम जल कुंड या घर पर ही बाल्टी में विसर्जित

जल्द प्रभास की 'द राजा साब' में नजर आयेगी निधि

निधि अग्रवाल इन दिनों अपनी अगली बड़ी फिल्मों को लेकर सुर्खियां बटोर रही है। इनमें प्रभास की बड़े बजट की फिल्म 'द राजा साब' भी शामिल है जो कई भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्मों की चमक-दमक भरी दुनिया में हर साल हजारों नए चेहरों की भरमार होती है, पर इनमें से सिर्फ कुछ ही अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर दर्शकों के दिलों में खास जगह बना पाते हैं लेकिन निधि के करियर की खास बात है। कि वह उन अभिनेत्रियों में से एक है जिसने बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा, दोनों में खूब लोकप्रियता बटोरी है। उसका सफर एक आम लड़की से बड़ी स्क्रीन की चमकदार हीरोइन बनने तक बेहद प्रेरणादायक है।

निधि का जन्म 17 अगस्त, 1993 को हैदराबाद में हुआ, लेकिन उसका बचपन बेंगलुरु में गुजरा। हिंदी भाषी मारवाड़ी परिवार में पली-बढ़ी निधि ने बेंगलुरु की विद्याशिल्प अकादमी से अपनी पढ़ाई की शुरुआत की और बाद में क्राइस्ट यूनिवर्सिटी से बिजनैस मैनेजमैंट की डिग्री हासिल की। बचपन से ही उसकी रुचि डांस में थी । बैले से लेकर कत्थक और बैली डांस तक, निधि ने हर स्टैप को बड़ी मेहनत और लगन 'द राजा साब' भी शामिल है जो कई भाषाओं में रिलीज होगीसे सीखा। यह डांस का हुनर बाद में उनके अभिनय में जान डालता गया।

फिल्मी दुनिया में कदम रखना आसान नहीं होता । निधि के लिए भी ऐसा था लेकिन जब 2016 में निर्देशक सब्बीर खान और निर्माता विक्की राजानी ने फिल्म 'मुन्ना माइकल' के लिए हीरोइन की तलाश शुरू की, तो देशभर से 300 से ज्यादा लड़कियों ने ऑडिशन दिया। हर लड़की में कुछ खास था, पर निधि की चमक अलग थी । उसकी आत्मविश्वास भरी आंखें डांस की सहजता और अभिनय की क्षमता ने उसे सबसे अलग और खास बना दिया। कहा जाता है कि वह फिल्म के लिए टाइगर श्रॉफ की भी पसंद थी।

2017 में वह 'मुन्ना माइकल' में टाइगर श्रॉफ के साथ जोड़ी बनाती हुई नजर आई। यह फिल्म जब रिलीज हुई, तो निधि ने साबित कर दिया कि वह सिर्फ एक खूबसूरत चेहरा नहीं, बल्कि एक दमदार कलाकार भी है। बेशक फिल्म खास नहीं चली लेकिन निधि की एक्टिंग और डांस ने लोगों का दिल जीत लिया। इस बेहतरीन डेब्यू के लिए उसे 'बैस्ट फीमेल डैब्यूटैंट' का अवॉर्ड भी मिला, जिसने उसके करियर की शुरुआत को और भी मजबूत बनाया।

इसके बाद निधि ने साऊथ इंडियन फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। 2018 में 'सव्यसाची' से उसने तेलुगु सिनेमा में एंट्री की। बाद में 'आईस्मार्ट शंकर' और 'कलगा थलाइवन' जैसी फिल्मों में उसके किरदारों ने दर्शकों का दिल जीता और बॉक्स ऑफिस पर भी सफलता मिली। साऊथ में तो उसकी इतनी लोकप्रियता है कि उसके फैन्स ने उसे समर्पित एक मंदिर तक बना डाला है। निधि का टैलेंट सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रहा ।

2019 में उसने ज्योतिका टांगरी के गाने 'उंगली च रिंग डाल दे ' और बादशाह के 'अहो ! मित्रां दी यैस है' में अपने अभिनय से सबको प्रभावित किया। 2021 में सोनू सूद के साथ अल्ताफ राजा के गाने 'साथ क्या निभाओगे' में भी उसकी कैमिस्ट्री खूब तारीफें बटोरीं।

उसकी एक और खास बात है कि निधि अपने ब्रांड एंडोर्समैंट्स में भी ईमानदार रही। 2019 में एक फेयरनेस क्रीम का विज्ञापन करने का ऑफर उसने इसलिए ठुकरा दिया कि वह इसे अपने आत्मसम्मान और सिद्धांतों के खिलाफ मानती थी ।

सोनाक्षी सिन्हा की साउथ फिल्म 'जटाधरा' का हिस्सा बनीं दिव्या खोसला

साउथ फिल्में अब पैन इंडिया के लिए बन रही हैं। जल्द ही साउथ के नामी कलाकारों के साथ 'जटाधरा' फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा के अलावा दिव्या खोसला भी नजर आएंगी। मेकर्स ने दिव्या के लुक का एक पोस्टर शेयर किया है। साथ ही उनके किरदार के नाम की जानकारी भी दी है।

क्या है दिव्या खोसला के किरदार का नाम

'जटाधरा' फिल्म में मेकर्स ने जो पोस्टर शेयर किया है, उसमें दिव्या साड़ी पहने नजर आ रही हैं। साथ ही पोस्टर पर उनके किरदार का नाम सितारा लिखा है। वह पोस्टर में कहीं खोई सी नजर आ रही हैं। इस फिल्म में साउथ एक्टर सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में हैं। वह एक शिव भक्त का किरदार फिल्म में निभा रहे हैं।

'जटाधरा' में अलग है सोनाक्षी का लुक

साउथ फिल्म 'जटाधरा' का

टीजर भी हाल ही में रिलीज हुआ। इसमें सोनाक्षी सिन्हा का लुक काफी चर्चा में बना रहा। फिल्म के टीजर में वह रौद्र अवतार में देखीं। सोनाक्षी जो किरदार फिल्म में निभा रही हैं, वह हटकर है। टीजर में इस किरदार के माथे पर लाल तिलक नजर आया, भारी-भरकम गहने पहने और हाथ में तलवार लिए वह दिख रही हैं। साथ ही वह क्रोध में अपने दुश्मनों पर हमला करती नजर आ रही हैं।

वीएफएक्स का हुआ है खूब इस्तेमाल

फिल्म 'जटाधरा' एक पौराणिक कहानी पर आधारित है। प्रेरणा अरोड़ा द्वारा निर्मित, वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शानदार VFX देखने को मिलेगा। यह फिल्म इस साल के आखिर में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

'हीरोइन की नाभि पर फ्रूट सलाद बनाया जाता या पानी डाला जाता था', डेजी शाह ने कन्नड़ इंडस्ट्री पर निकाली भड़ास

एक्ट्रेस डेजी शाह ने लेटेस्ट इंटरव्यू में कन्नड़ फिल्मों के बारे मे अपनी राय साझा की है। उन्होंने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में एक्ट्रेसेस की नाभी को लेकर बहुत ऑब्ससेशन है। जब ये क्लिप वायरल हुई तो लोगों ने ये अंदाजा लगाया कि वह किस एक्टर के बारे में बात कर रही हैं, जो एक्ट्रेसेस के पेट पर सलाद काटते हैं और पानी डालते हैं।

डेजी शाह ने एक इंटरव्यू में कन्नड़ फिल्म की शूटिंग के दौरान के अपने अनुभव को याद किया। उन्होंने कहा, 'जब मैं उस फिल्म की शूटिंग कर रही थी, शूटिंग के बाद, खाली समय में टीवी पर कन्नड़ गाने देख रही थी... वहां एक खास एक्टर था, और उसके सभी गानों में, हीरोइन की नाभि पर या तो फ्रूट सलाद या सब्जी का सलाद बनाया जा रहा था... क्लोज-अप शॉट्स के साथ... या कभी-कभी नाभि पर बर्फ या पानी डाला जा रहा था।'

डेजी शाह ने रविचंद्रन के बारे में बात की?

हालांकि डेजी शाह ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन वीडियो सामने आने के तुरंत बाद, एक्स पर कई यूजर्स ने अनुमान लगाया कि वह इनडायरेक्टली एक्टर और फिल्ममेकर वी रविचंद्रन का जिक्र कर रही थीं, जो अपनी फिल्मों में इस तरह की चीजें करते हैं।

डेजी शाह के पहले मालविका मोहनन ने भी कहा था

डेजी शाह के क्लिप पर एक यूजर ने लिखा, 'रविचंद्रन... हमारे अपने मुख्य नौसेना अधिकारी... कॉमनु डार्लिंग अय्यो अय्यो।' एक ने लिखा, 'ये रविचंद्रन हैं।' बता दें कि कुछ वक्त पहले मालविका मोहनन ने भी साउथ इंडस्ट्री के बारे में बात की थी।

बताया था, 'मैं भी पहले बहुत हैरान होती थी, क्योंकि मैं मुंबई में पली-बढ़ी हूं। यह बिल्कुल नई बात थी कि नाभि को लेकर इतना जुनून है। और फिर आप सोशल मीडिया पर एक्ट्रेससे की फोटो देखते होंगे, जहां वह अपने शरीर को जूम करके दिखाती हैं।'

'हैवान'-'हेरा फेरी 3' फिल्म के बाद रिटायरमेंट की तैयारी में प्रियदर्शन

प्रियदर्शन इंडस्ट्री के चर्चित निर्माता-निर्देशक हैं। इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्मों 'हैवान' और 'हेरा फेरी 3' को लेकर चर्चा में हैं। प्रियदर्शन अब फिल्म मेंकिंग से रिटायरमेंट लेने की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुद उन्होंने ऐसी इच्छा जाहिर की। उन्होंने 'हैवान' और 'हेरा फेरी 3' को पूरा करने के बाद फिल्म निर्माण से संन्यास लेने की अपनी योजना का खुलासा किया है।

कोच्चि में चल रही 'हैवान' की शूटिंग

निर्देशक प्रियदर्शन ने फिल्म 'हैवान' की शूटिंग शुरू कर दी है। इसे फिलहाल कोच्चि में फिल्माया जा रहा है। इस फिल्म में अक्षय कुमार अभिनेता सैफ अली खान के साथ नजर आएंगे।

'हैवान', प्रियदर्शन की 2016 की हिट फिल्म 'ओप्पम' से प्रेरित है, लेकिन इसके डायलॉग और स्क्रिप्ट में कई बदलाव किए गए हैं। इस बीच निर्देशक ने अपनी फ्यूटर प्लानिंग को लेकर बात की।

मोहनलाल के साथ बनाएंग 100वीं फिल्म

फिल्म 'हैवान' प्रियदर्शन की 99वीं फिल्म है। 'ओप्पम' में मुख्य भूमिका निभाने वाले मोहनलाल भी 'हैवान' में कैमियो भूमिका में दिखाई देंगे। हाल ही में प्रियदर्शन ने 'ऑनमनोरमा' से बातचीत में खुलासा किया कि उनका किरदार दर्शकों के लिए एक सरप्राइज होगा।

उन्होंने आगे कहा कि 'हैवान' के बाद वे मोहनलाल को लीड रोल में लेकर अपनी 100वीं फिल्म का निर्देशन करने की प्लानिंग कर रहे हैं। हालांकि, इस प्रोजेक्ट की स्क्रिप्ट अभी तय नहीं हुई है, लेकिन इसकी शूटिंग अगले साल शुरू होने की उम्मीद है।

बोले- 'थक गया हूं'

प्रियदर्शन से जब लगातार अक्षय कुमार के साथ काम करने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'यह सब कंफर्ट की बात है'।

सीक्वल के बारे में उन्होंने स्वीकार किया, 'मैं आमतौर पर सीक्वल के साथ अपनी मूल फिल्मों की नकल नहीं करता, यह मेरा काम करने का पसंदीदा स्टाइल नहीं है'। उन्होंने चौंकाने वाली टिप्पणी करते हुए आगे कहा, 'इन फिल्मों को पूरा करने के बाद मैं उम्मीद है मैं रिटायर हो जाऊंगा। मैं थक गया हूं'।

डेब्यू शो के लिए सनी देओल ने आर्यन खान को दी शाबाशी, बोले- 'ऑल द बेस्ट बेटा, चक दे फट्टे'

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान डेब्यू करने को तैयार हैं। वे बतौर निर्देशक करियर शुरू कर रहे हैं। हाल ही में उनके डेब्यू शो 'बैड्स

ऑफ बॉलीवुड' का प्रीव्यू वीडियो सामने आया। आर्यन के पहले शो के लिए सनी देओल ने उन्हें बधाई दी है।

सनी देओल ने लिखा, 'बॉब ने बहुत तारीफ की है'

सनी देओल ने आज रविवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का प्रीव्यू वीडियो शेयर कर लिखा है, 'प्रिय, आर्यन... आपका शो बेहद शानदार है! बॉब ने आपकी खूब तारीफ की है। आपके पिता को आप पर बहुत गर्व होगा। मेरी तरफ से आपको ढेर सारी शुभकामनाएं, बेटा। चक दे फट्टे'।

ये सितारे निभाएंगे अहम भूमिकाएं

आर्यन खान निर्देशित सीरीज में राघव जुयाल और एक्टर लक्ष्य लीड रोल में हैं। साथ ही बॉबी देओल भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा करण जौहर, रणवीर सिंह और सलमान खान भी आर्यन की सीरीज में कैमियो रोल करते दिखाई देंगे। सीरीज में एक्ट्रेस सहर बांबा लीड रोल में हैं। इस सीरीज को गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है।

कब से होगा प्रीमियर

सनी देओल के पोस्ट पर नेटिजन्स के मजेदार कमेंट्स आ रहे हैं। शाहरुख खान के फैंस सनी देओल के पोस्ट पर पॉजिटिव कमेंट्स कर तारीफ कर रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स सनी देओल पर कथित तौर पर नेपोटिज्म को बढ़ावा देने का आरोप लगा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'नेपोटिज्म'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आपकी वजह से वीडियो देख लिया। मैं समझ सकती हूं, दोस्ती निभानी पड़ती है'। 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का प्रीमियर 18 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर होगा।

खुशी मुखर्जी के 25 लाख के गहने हुए चोरी नौकरानी पर जताया शक, जल्द दर्ज कराएंगी केस

टीवी की दुनिया से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री खुशी मुखर्जी इन दिनों एक बड़ी मुसीबत का सामना कर रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री के घर से करीब 25 लाख रुपये के गहने चोरी हो गए। शुरुआती जांच में शक उनके ही घर में काम करने वाली नौकरानी पर जताया जा रहा है, जो घटना के बाद से फरार बताई जा रही है।

खुशी को नौकरानी पर शक

खुशी ने इस घटना के बाद अपने दर्द को साझा करते हुए कहा कि सबसे ज्यादा दुखद यह है कि जिसने उनके घर का विश्वास जीता, वही उनके साथ गद्दारी कर गया। उनके मुताबिक गहनों की कीमत से ज्यादा, यह उनकी सुरक्षा और विश्वास की चोरी है। अभिनेत्री अब इस मामले को लेकर पुलिस में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया में हैं और सख्त कानूनी कदम उठाने के लिए तैयार हैं।

पुलिस जांच और आगे की कार्यवाही

इस चोरी के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, नौकरानी की तलाश की जा रही है और जल्द ही सच्चाई सामने आने की उम्मीद है। अभिनेत्री चाहती हैं कि अपराधी को कड़ी सज़ा मिले ताकि भविष्य में कोई और इस तरह की हरकत करने से पहले सौ बार सोचे।

कौन हैं खुशी मुखर्जी?

28 वर्षीय खुशी मुखर्जी का सफर बेहद दिलचस्प रहा है। उन्होंने अपना अभिनय करियर साल 2013 में तमिल फिल्म 'अंजल थुरई' से शुरू किया। इसके बाद वह तेलुगु फिल्मों 'डोंगा प्रेमा' और 'हार्ट अटैक' में नजर आईं। हिंदी दर्शकों ने उन्हें फिल्म 'श्रृंगार' में देखा।

फिल्मों के साथ-साथ खुशी ने टीवी और रियलिटी शोज में भी अपना दमखम दिखाया। उन्होंने एमटीवी के चर्चित शो 'स्प्लिट्सविला 10' और 'लव स्कूल 3' में भाग लेकर युवाओं के बीच अपनी पहचान बनाई। उनकी बोल्ड शख्सियत और स्पष्टवादी रवैया उन्हें सुर्खियों में रखता रहा।

टीवी में भी कर चुकी हैं अभिनय

टीवी की दुनिया में भी उन्होंने अहम किरदार निभाए। सब टीवी के शो 'बालवीर रिटर्न्स' में वह ज्वाला परी के रूप में दिखीं, जबकि धार्मिक धारावाहिक 'कहत हनुमान जय श्रीराम' में भी नजर आईं। हाल ही में वह कॉमेडियन और रियलिटी स्टार मुनव्वर फारूकी के होस्ट किए गए शो 'द सोसाइटी' में दिखाई दीं।

देश में मॉडल सिटी के रूप में स्थापित हो नोएडा: पंकज सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। विधायक नोएडा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा उत्तर प्रदेश पंकज सिंह ने नोएडा की विभिन्न सोसाइटियों में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने क्लब हाउस (सेक्टर-50), जलवायु टावर (सेक्टर-47), लोटस बुलेवर्ड (सेक्टर-100), लोटस स्पेशिया (सेक्टर-100), सनवर्ल्ड वनालिका (सेक्टर-107), एनआरआई सोसाइटी (सेक्टर-45), एल्डिको यूटोपिया (सेक्टर-93), एटीएस सोसाइटी (सेक्टर-93) तथा सिल्वर सिटी (सेक्टर-93) का दौरा कर निवासियों से संवाद स्थापित किया।

जनसंवाद के दौरान निवासियों ने स्वच्छ पेयजल एवं गंगा जल की नियमित आपूर्ति, पार्कों की सफाई और आवारा कुत्तों की समस्या का शीघ्र समाधान करने की मांग रखी। इस पर विधायक पंकज सिंह ने संबंधित प्राधिकरण अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए और आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं का त्वरित समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।

अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि नोएडा सिर्फ एक शहर नहीं बल्कि आधुनिक भारत की पहचान है। भाजपा सरकार की प्रतिबद्धता है कि नोएडा को न सिर्फ देश बल्कि पूरी दुनिया में एक मॉडल सिटी के रूप में स्थापित किया जाए। इसके लिए मूलभूत सुविधाओं से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तक हर स्तर पर काम लगातार जारी है।

उन्होंने यह भी कहा कि जनसंवाद का उद्देश्य जनता से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी अपेक्षाओं और समस्याओं को समझना है। आपकी समस्याएँ ही हमारे लिए कार्ययोजना की दिशा तय करती हैं और जनता की भागीदारी से ही नोएडा को विश्वस्तरीय शहर बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान, श्रीमती सुषमा सिंह, राकेश शर्मा, अमित त्यागी चंदगीराम यादव, डिंपल आनंद, गणेश जाटव, आर.के.सांग्गी, महेश अवाना,उमाशंकर सिंह, डॉ. डी शर्मा, ए.के, सिंह , देवेंद्र शर्मा , सुधा शर्मा,नीरज चौधरी, प्रदीप चौहान, गौतम शर्मा, हिमांशु नारंग, प्रमोद मिश्रा, करतार सिंह चौहान, ओमवीर अवाना, तन्मय शंकर, भूपेश चौधरी, मनोज चौहान, विपुल शर्मा, अशोक मिश्रा, राजकुमार बंसल, राहुल शर्मा, राजीव, राकेश सिंह, उमेश भाटी, मोनिका श्रीवास्तव, सुशील कुमार, दीपक शर्मा, विकास शर्मा, नोएडा प्राधिकरण से आर. के. शर्मा, सत्येंद्र गिरी, अमरजीत सिंह,अंकित सेंगर, रोहित कुमार, राकेश भाटी सहित बड़ी संख्या में सोसाइटी निवासी उपस्थित रहे।

प्रियंका चौधरी बनी रालोद मेरठ मंडल की सदस्यता अभियान प्रभारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय लोक दल की कर्मठ तथा समर्पित कार्यकर्ता श्रीमती प्रियंका चौधरी एडवोकेट को राष्ट्रीय लोक दल का मेरठ मंडल का सदस्यता प्रभारी नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश उपाध्यक्ष तथा सदस्यता प्रभारी आदित्य विक्रम सिंह एडवोकेट ने की है।

अपने मनोनयन पत्र में आदित्य विक्रम सिंह ने जानकारी दी है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के निर्देश पर तथा राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी के अनुमोदन पर श्रीमती प्रियंका चौधरी एडवोकेट को मेरठ मंडल का सदस्यता प्रभारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने आशा जताई कि वे सदस्यता अभियान को कुशलता पूर्वक निर्वहन करते हुए राष्ट्रीय लोकदल के आधार को और भी मजबूत बनाएंगी।

बता दें कि श्रीमती प्रियंका चौधरी इसके पूर्व राष्ट्रीय लोकदल की महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश प्रवक्ता तथा जिला अध्यक्ष जैसे पदों पर भी सफलतापूर्वक जिम्मेदारी निभा चुकी है। पार्टी के प्रति उनकी मेहनत तथा लगन को देखते हुए अब हाई कमान ने उन्हें मेरठमंडल के सदस्यता प्रभारी की नई जिम्मेदारी सौंपी है। उनके सदस्यता प्रभारी बनाए जाने पर राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी तथा राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज चौधरी समेत कई पदाधिकारी ने हाई कमान का आभार व्यक्त किया तथा प्रियंका चौधरी को बधाई दी है।

नोएडा पहुंचे हरियाणा के मंत्री गौरव गौतम

नोएडा (चेतना मंच)। भूपेंद्र शर्मा अध्यक्ष नोएडा प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स एसोसिएशन के सेक्टर 46 स्थित आवास पर गौरव गौतम, (स्वतंत्र प्रभार मंत्री) युवा सशक्तिकरण व खेल एवं विधि मंत्री हरियाणा सरकार का आगमन हुआ।

इस मौके पर सभी लोगों ने उनका स्वागत किया तथा सरकार के कामकाज को लेकर चर्चा की गई।

इस दौरान अभिषेक शर्मा जिला अध्यक्ष गौतमबुधनगर, सुधीर कौशिक, भारत तिवारी आदि उपस्थित रहे।

शुभांशु शुक्ला का लखनऊ में हुआ स्वागत, समारोह में पहुंचे डिप्टी सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। अंतरिक्ष यात्रा से लौटे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला आज अपने गृहजनपद पहुंचे हैं। एयरपोर्ट पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने उनका स्वागत किया। उनके माता-पिता व परिजनों के साथ लखनऊवासी उनके स्वागत को आतुर हैं। उनके मोहल्ले त्रिवेणी नगर में जश्न का माहौल है। लखनऊ शहर में चारों ओर 'शुभांशु- नेशनल हीरो' के पोस्टर्स लगे हैं। सीएमएस स्कूल में बच्चों ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का ग्रैंड वेलकम किया। अलग-अलग प्रस्तुतियां दीं। उनके स्वागत में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आज लखनऊ के लिए बहुत बड़ा दिन है। भारत के सपूत, लखनऊ के सपूत ने लखनऊ में कदम रखा है। जब से वह अंतरिक्ष से धरती पर लौटे हैं, लखनऊ के लोग बेसब्री से उनके आगमन का इंतजार कर रहे थे। आज आखिरकार वह क्षण आ ही गया। हम शुभांशु शुक्ला का गर्मजोशी और प्रेम से स्वागत करते हैं।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एयरपोर्ट से गेस्ट हाउस जाने के लिए निकले हैं। इस दौरान रूट पर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम हैं। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात थी।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला लखनऊ पहुंचे। यहां बच्चों और प्रशंसकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी उनका स्वागत किया।

शुभांशु के स्वागत के लिए लखनऊवासियों में खासा जोश दिख रहा है। लोग हाथों में तिरंगा लेकर उनका अभिनंदन करने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे हैं।

अंतरिक्ष यात्रा से लौटे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला आज अपने गृहजनपद पहुंचे हैं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। उनके साथ महापौर सुषमा खर्कवाल भी मौजूद रहीं। गृहजनपद में बड़े ही धूमधाम से उनका स्वागत किया जा रहा है। एयरपोर्ट से वह सीधे गेस्ट हाउस पहुचेंगे। जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उन्हें रोका जाएगा। इस दौरान छह मार्गों पर रूट डायवर्जन किया गया है। यह डायवर्जन सुबह 7 बजे से लागू है।

रामलीला मंचन व नवरात्रि संबंधी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। शहर के कलाकारों ने रामायण और नवरात्रि पर आधारित प्रस्तुतियाँ की तैयारियां शुरू कर दी हैं, जिसमें रामायण पर आधारित एक नृत्य नाटिका,समुद्र मंथन,गंगा अवतरण,नवदुर्गा और दशावतार का आयोजन शामिल है।कार्यक्रम का आयोजन 28 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक पांच दिन किया जाएगा।

कथक नृत्यागंना अनु सिन्हा ने बताया कि केन्द्र सेक्टर-14 में इसके लिए कलाकारों ने अभ्यास शुरू कर दिया है।। इसमें करीब 100 कलाकार भाग अपनी प्रस्तुति देगें प्रतिदिन तीन घंटे इसका मंचन होगा । पहले दिन समुद्र मंथन में पौराणिक पृष्ठभूमि,इंद्र पर दुर्वासा ऋषि का क्रोध और दैत्य-देवताओं का संघर्ष, मंदर पर्वत और वासुकी नाग का उपयोग, मंथन की प्रक्रिया से शुभारंभ होगा। ऐसे ही सभी दृश्यों के लिए समय निर्धारित किया गया। इस आयोजन को लेकर कलाकारों में काफी उत्साह है।

उद्योग विहार में लगा मेडिकल कैंप, 120 लोगों ने कराई जांच

नोएडा (चेतना मंच)। उद्योग विहार सेक्टर-82 में आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता मेडिकल कैंप में 120 निवासियों ने स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ लिया।

कैंप में ब्लड शुगर टेस्ट के साथ-साथ बीएमडी मशीन भी उपलब्ध कराई गई, जिसके माध्यम से शरीर में कैल्शियम की कमी और हड्डियों की मजबूती का पता लगाया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक जांच कराई और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्राप्त किया। यह कैंप सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक चला। इस दौरान दो विशेषज्ञ डॉक्टर हड्डियों के रोग विशेषज्ञ (ऑर्थो डॉक्टर), फिजिशियन डॉक्टर उपस्थित रहे।

पिछली बार आयोजित कैंप में 90 लोगों ने भाग लिया था, जबकि इस बार यह संख्या बढ़कर 120 तक पहुँची। यह बढ़ती भागीदारी सोसाइटी के निवासियों की स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को दर्शाती है।

सोसाइटी के अध्यक्ष मयंक चौहान ने कहा—'मैं सोसाइटी के सभी निवासियों, आरडब्ल्यूए टीम और अस्पताल से आई हुई पूरी टीम का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूँ। आप सभी ने लगन, निष्ठा और उत्साह के साथ इस स्वास्थ्य कार्यक्रम को सफल बनाया। जैसा कि हमने वादा किया था कि सोसाइटी में स्वास्थ्य संबंधी विकास को प्राथमिकता देंगे, उसकी शुरुआत सफलतापूर्वक हो चुकी है।'

साथ ही मयंक चौहान ने फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता का विशेष रूप से धन्यवाद प्रकट किया जिनके सहयोग से यह स्वास्थ्य शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।